वर्ष-08 | अंक-259 | पृष्ठ 08 | मूल्य 02/-

RNI-MPHIN/2018/75526

दैनिक कालप्रिया

सच वही जो दिखे...

भोपाल, मंगलवार
23
जून 2026

Email.kalpriyanews72@gmail.com

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष-9, विक्रम संवत् 2083

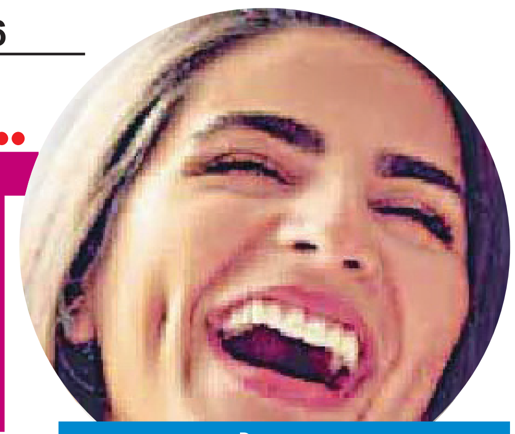

पेज-6

पिकअप वाहन ट्रक से टकराया 6 मजदूरों की मौत

छिंदवाड़ा में लाशें सड़क पर बिखरीं, पोटली में समेटने पड़े टुकड़े; गाड़ी के भी परखच्चे उड़े

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा-बैतूल नेशनल हाईवे पर एक पिकअप वाहन की सामने से आ रहे ट्रक

से जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में 6 लोगों की मौत हुई है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार मजदूर दूर जा गिरे। हादसा सोमवार सुबह करीब 10 बजे टेमनी खुर्द के पास हुआ।मृतकों में 4 महिलाएं और 2 पुरुष शामिल हैं। जिला अस्पताल में अब तक 20 घायल लाए जा चुके हैं। इनमें एक गंभीर रूप से घायल है, जिसे मेडिकल कॉलेज, नागपुर रेफर किया जाएगा।पुलिस और प्रशासन के अधिकारी अस्पताल में मौजूद हैं। 20 से 25 डॉक्टर घायलों के उपचार में जुटे हैं। सर्जिकल आईसीयू में 3 मरीज भर्ती हैं। ऑर्थोपेडिक्स विभाग में 4 मरीज भर्ती हैं, जबकि 3 घायलों का ओटी में इलाज चल रहा है। सभी मजदूर मछैरा के रहने वाले हैं। हादसे में मृत सावित्री वनके (31) के पति सुरेश सिंह ने बताया कि सभी लोग सब्जी तोड़ने सुबह 9 बजे कन्हरगांव के लिए निकल रहे थे। पिकअप मजदूरों को लेने के लिए खड़ा था। पीछे से यूरिया से भरा ट्रक आ रहा था, जिसने पिकअप को टक्कर मार दी। पिकअप में 20-25 मजदूर थे।

कोचिंग में आग, 15 स्टूडेंट की मौत

बचने के लिए बाथरूम में छिपे थे बच्चे, वहीं दम घुटने से जान गई

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ में सोमवार दोपहर 2:15 बजे एक दो मंजिला बिल्डिंग में आग लग गई। हादसे में अब तक 15 लोगों की मौत हो गई है। इनमें ज्यादा स्टूडेंट्स हैं। दूसरे फ्लोर पर चल रही कोचिंग में छात्रों ने खुद को बाथरूम में बंद कर लिया था। एक बच्चे ने पहले फ्लोर से कूद कर जान बचाई। लेकिन वह नीचे ग्रिल पर गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। फायर ब्रिगेड की करीब 10 गाड़ियां मौके पर हैं। एक हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म आग बुझाने में लगी है। फायरकर्मियों ने बिल्डिंग की पीछे की दीवार को तोड़ा है, जिसके जरिए शवों को बाहर निकाला जा रहा है। एम्बुलेंस कम पड़ गई हैं। ब्रजेश पाठक ने और मंगवाई हैं। मीडिया से बात करते-करते डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक रो पड़े। उन्होंने कहा- मैंने अपनी आंखों के सामने लाशों को निकलते देखा है। प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद मौके पर पहुंचे हैं। सीएम योगी अलीगढ़ का दौरा बीच में छोड़कर लखनऊ लौट रहे हैं।

बिजली के खंभे से शॉर्ट सर्किट हुआ

पेट्स शॉप में काम करने वाले एक चश्मदीद ने बताया कि बिजली के खंभे से शॉर्ट सर्किट हुआ और इसके बाद आग ऊपर की ओर फैल गई और धुआं भरने लगा। मैं बीच वाले फ्लोर पर था।हमने कुछ पेट्स निकाल लिए हैं। कुछ पेट्स अभी भी नीचे फंसे हुए हैं। कुछ लोग बाहर नहीं निकल पाए। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा- फर्स्ट फ्लोर पर कोई नहीं है। सर्च ऑपरेशन अभी जारी है। फायर ब्रिगेड की टीम अंदर मौजूद है। मौके पर डॉक्टरों को बुलाया गया है, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत प्राथमिक इलाज दिया जा सके। ज्यादा धुएं के कारण रेस्क्यू में परेशानी आ रही है। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट कर भी घटना पर दुख जताया। मुख्यमंत्री ने लिखा कि लखनऊ में अग्नि दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुःखद एवं हृदय विदारक है। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को शांति तथा घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग की समीक्षा

सार्वजनिक स्थलों पर सीसीटीवी और आवासों में ईको फ्रेंडली भवन निर्माण सामग्री के उपयोग को करें प्रोत्साहित:मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) पर जिला मुख्यालयों पर होने वाले कार्यक्रमों में जिलों के प्रभारी मंत्री, जिलों में हुए विकास कार्यों और कल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियों से जुड़ी विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करेंगे। समारोह स्थल पर विकास कार्यों और योजनाओं को जनसामन्य के सामने रखने के लिए प्रदर्शनियां भी लगाई जाएंगी, यह प्रेजेंटेशन एक तरह से विकास कार्यों के सोशल ऑडिट जैसा होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिला विकास समितियों का राजधानी भोपाल में सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। जिला विकास समितियां विकास गतिविधियों के लिए शासकीय नियोजन में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। निजी निवेश को भी प्रोत्साहित करने के लिए जिला विकास समितियां प्रयास करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र विकास योजना के अंतर्गत सार्वजनिक स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने और किफायती आवासों के निर्माण में ईको फ्रेंडली भवन निर्माण सामग्री के इस्तेमाल को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

विश्राम घाट पर ही मृत्यु पंजीयन की हो व्यवस्था

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजना अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र में सभी विभागों की गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया जाए। योजना अंतर्गत कराए गए कार्यों के संधारण की भी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि योजना में श्रेष्ठ कार्य तथा नवाचार करने वालों को प्रोत्साहित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश जन्म और मृत्यु पंजीकरण की व्यवस्था की समीक्षा के दौरान मृत्यु पंजीयन के लिए विश्राम घाट पर ही पंजीयन की प्रक्रिया शुरू करने की व्यवस्था के लिए कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए।

जल गंगा संवर्धन अभियान में प्रस्फुटन और नवाकुंर समितियों की रही सक्रिय सहभागिता

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में बताया गया कि मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत अब तक एक लाख 37 हजार से अधिक छात्र लाभान्वित हो चुके हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान में प्रस्फुटन और नवाकुंर समितियों ने कुएँ, बावड़ी, तालाब, नदी घाट सफाई, जल संगोष्ठी और बावड़ी उत्सव जैसे आयोजनों में सक्रिय सहभागिता की।

जिलों के विकास सूचकांक स्थानीय परिस्थितियों पर हों आधारित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिलों के विकास सूचकांक स्थानीय परिस्थितियों और आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर अलग-अलग निर्धारित किया जाए।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने, ग्रामीण क्षेत्र में स्वयं का मकान बनाने वालों को तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराने और उपयुक्त भवन निर्माण सामग्री के संबंध में जागरूक करने के लिए भी जरूरी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कैबिनेट विस्तार में 5 नए विधायक बन सकते हैं मंत्री

भोपाल। मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार पहले बड़े मंत्रिमंडल विस्तार और फेरबदल की तैयारी में है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बातचीत में संकेत दिए कि विधानसभा के मानसून सत्र के बाद बदलाव संभव है। नए मंत्रिमंडल में युवाओं को प्राथमिकता मिल सकती है, जबकि अनुभवी नेताओं को भी महत्व दिया जाएगा। सूत्रों के अनुसार 5-6 मंत्रियों को हटाकर 7-8 नए चेहरों को शामिल किया जा सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मंत्रिमंडल फेरबदल का मुख्य आधार मंत्रियों का कामकाज रहेगा। अंतिम निर्णय पार्टी संगठन और केंद्रीय नेतृत्व से चर्चा के बाद लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर मंत्रियों व विधायकों के प्रदर्शन की नियमित समीक्षा होती है, जिसमें शीर्ष नेतृत्व के सुझाव भी शामिल रहते हैं। वरिष्ठ पत्रकार एन के सिंह कहते हैं कि एमपी के मुख्यमंत्री मोहन यादव देश के उन चुनिंदा मुख्यमंत्रियों में हैं, जिन्होंने सपने में भी मुख्यमंत्री बनने की कल्पना नहीं की थी। पार्टी ने उन्हें तीसरी या चौथी पंक्ति से उठाकर इतने बड़े पद पर बैठाया है।

छिंदवाड़ा में लाशें सड़क पर बिखरीं, पोटली में समेटने पड़े टुकड़े; गाड़ी के भी परखच्चे उड़े

उद्धव के 6 सांसद शिंदे की शिवसेना में शामिल

1 संजय जाधव (बंधू) सीट: परभणी

2 भाऊसाहेब वाकचौरे सीट: शिर्डी

3 संजय देशमुख सीट: यवतमाल-वाशिम

4 नागेश पाटिल आष्टीकर सीट: हिंगोली

5 संजय दीना पाटिल सीट: मुंबई नॉर्थ ईस्ट

6 ओमराजे निंबालकर सीट: धाराशिव सीट

4 साल में दूसरी टूट, शिंदे बोले- छक्का लगाया आदित्य ने पाला बदलने वालों को बिकाऊ कहा

मुंबई। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना के 9 में से 6 सांसद सोमवार को एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हुए। बागी सांसदों ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ उनके नंदनवन बंगले पर बैठक की। इसके बाद बागी सांसदों ने शिंदे के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस करके पार्टी बदलने का ऐलान किया। इस दौरान शिंदे ने कहा- जब 2022 में हमने पार्टी और धनुष-बाण बचाने के लिए विद्रोह किया था, तब 40 विधायक थे और अब छक्के लग चुके हैं। हमारी लड़ाई बालासाहेब के विचारों को बचाने के लिए है, इसीलिए आज ये 6 सांसद बालासाहेब की असली शिवसेना में शामिल हुए। 6 सांसदों के शामिल होने के बाद लोकसभा में शिंदे गुट के सांसदों की संख्या 7 से बढ़कर 13 हो गई है। वहीं उद्धव गुट में 9 में से सिर्फ 3 सांसद बचे हैं। 2022 के बाद शिवसेना में दूसरी बार टूट हुई।

अल नीनो का कहर!

जुलाई-अगस्त में बढ़ सकते हैं दूध के दाम, कमजोर मानसून से बढ़ा संकट

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में महंगाई से जूझ रहे आम लोगों को आने वाले दिनों में एक और झटका लग सकता है। दूध की कीमतों में जुलाई और अगस्त के दौरान 3 से 4 फीसदी तक बढ़ोतरी होने की आशंका जताई जा रही है। डेयरी उद्योग के विशेषज्ञों का मानना है कि अल नीनो और कमजोर मानसून की वजह से पशुओं के चारे और पानी की उपलब्धता प्रभावित हो सकती है, जिसका सीधा असर दूध उत्पादन पर पड़ेगा। अल नीनो एक मौसम संबंधी घटना है, जिसके कारण कई क्षेत्रों में सामान्य से कम बारिश होती है। जब मानसून कमजोर रहता है तो हरे चारे का उत्पादन घट जाता है और पशुओं के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं हो पाता। इससे दूध देने वाले पशुओं की सेहत और उत्पादकता प्रभावित होती है। ऐसे में चारे की कमी होने पर पशुपालकों की लागत बढ़ जाती है। कई छोटे किसान पशुओं की संख्या भी कम कर देते हैं, जिससे बाजार में दूध की आपूर्ति घटने लगती है।

डेयरी कंपनियां कर रही हैं तैयारी

देश की बड़ी डेयरी कंपनियां संभावित संकट से निपटने के लिए पशुपालकों के साथ मिलकर चारा प्रबंधन और वैकल्पिक व्यवस्था पर काम कर रही हैं। कंपनियों का कहना है कि अभी तक अल नीनो का सीधा असर सप्लाई पर नहीं दिखा है, लेकिन भविष्य की स्थिति को देखते हुए तैयारी शुरू कर दी गई है।

चढ़ावा चोरी में होगा बड़ा एक्शन

राम मंदिर में कई सेवादार नहीं करेंगे सेवा! एसआईटी रिपोर्ट से बढ़ी हलचल

अयोध्या , एजेंसी

राम मंदिर के चढ़ावे चोरी की जांच अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। सूत्रों के मुताबिक विशेष जांच दल ने अपनी जांच लगभग पूरी कर ली है और करीब 140 पन्नों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर ली गई है। रिपोर्ट में कई ऐसे बिंदु दर्ज किए गए हैं जिनके आधार पर आने वाले दिनों में बड़ी कार्रवाई हो सकती है। सबसे ज्यादा चर्चा उन सेवादारों को लेकर है जिनकी भूमिका जांच के दौरान सवालों के घेरे में आई है। सूत्र बताते हैं कि रिपोर्ट के आधार पर मंदिर से जुड़े कई सेवादारों की सेवाएं समाप्त की जा सकती हैं। हालांकि अभी तक किसी नाम की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन मंदिर परिसर में कार्रवाई की अटकलों ने हलचल बढ़ा दी है। जांच के दौरान राम मंदिर ट्रस्ट के सचिव से भी बंद कमरे में करीब तीन घंटे तक पूछताछ की गई। इस दौरान जांच अधिकारियों ने चढ़ावे के संग्रह, सुरक्षा व्यवस्था, निगरानी तंत्र और प्रशासनिक प्रक्रियाओं से जुड़े कई सवाल पूछे।

अभी कई सदस्य अयोध्या में ही

भले ही रिपोर्ट तैयार हो चुकी हो, लेकिन एसआईटी की गतिविधियां अभी जारी हैं। जांच टीम के कई सदस्य अभी भी अयोध्या में मौजूद हैं और अंतिम सत्यापन में जुटे हैं। माना जा रहा है कि कुछ बिंदुओं पर अतिरिक्त जानकारी जुटाई जा रही है ताकि रिपोर्ट पूरी तरह तथ्यात्मक और तकनीकी रूप से मजबूत रहे।

अनोखा प्रयोग — आईएसएस में वैज्ञानिकों ने कम गुरुत्वाकर्षण में फुटबॉल की गति को समझा

नासा ने मारी ऐसी किक कि सीधे अंतरिक्ष में पहुंच गई फुटबॉल

नई दिल्ली (एजेंसी)

फुटबॉल की दुनिया में एक अनोखा प्रयोग सामने आया है। फीफा वर्ल्ड कप 2026 की आधिकारिक मैच बॉल ट्रायोंडा अब अंतरिक्ष तक पहुंच चुकी है। इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पर मौजूद अंतरिक्ष यात्रियों ने इस गेंद के साथ प्रयोग किए, ताकि माइक्रोग्रैविटी यानी अंतरिक्ष में कम गुरुत्वाकर्षण की स्थिति में फुटबॉल की गति और प्रदर्शन को समझा जा सके। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने इस प्रयोग की तस्वीरें और वीडियो साझा किया। जानकारी देते हुए बताया कि आईएसएस के दल ने साल 2019 में किए गए एक पुराने अध्ययन को दोबारा दोहराया। इस बार प्रयोग के लिए ट्रायोंडा

फुटबॉल का इस्तेमाल किया गया। नासा ने सोशल मीडिया एक्स पर साझा किए गए पोस्ट में लिखा, आधिकारिक फीफा वर्ल्ड कप गेंद अंतरिक्ष में पहुंच गई। हम अगली पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए काम कर रहे हैं। हम यह दिखा रहे हैं कि कैसे अंतरिक्ष की खोज, स्पोर्ट्स साइंस और रोजमर्रा की जिंदगी में इनोवेशन को बढ़ावा देती है।

नासा ने गेंद के भार केंद्र और संतुलन को मापा

अंतरिक्ष एजेंसी ने बताया कि खेल वैज्ञानिक और इंजीनियर फुटबॉल की सेंटर ऑफ मास यानी गेंद के भार केंद्र और उसके संतुलन को बेहद सावधानी से मापते हैं। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना होता है कि मैदान पर गेंद की गति और दिशा अनुमान के मुताबिक रहे। नासा के अनुसार, आईएसएस के अंतरिक्ष यात्रियों ने अच्छे और खराब संतुलन वाली गेंदों के प्रभाव को समझने के लिए यह प्रयोग दोहराया। इस अध्ययन से वैज्ञानिकों को यह जानने में मदद मिली कि गेंद में इस्तेमाल की जाने वाली तकनीकें, जैसे सेंसर और अन्य स्मार्ट फीचर्स, खेल के प्रदर्शन को किस तरह प्रभावित कर सकती हैं।

तीन देशों की मेजबानी का प्रतीक है ट्रायोंडा

ट्रायोंडा फीफा वर्ल्ड कप 2026 की आधिकारिक मैच बॉल है, जिसे एडिडास ने तैयार किया है. फीफा के अनुसार, ञ्ट्रायोंडाद्य नाम स्पेनिश भाषा के उस शब्द से लिया गया है जिसका अर्थ होता है तीन लहरें। यह नाम इसलिए रखा गया है क्योंकि 2026 का फीफा वर्ल्ड कप पहली बार तीन देशों की संयुक्त मेजबानी में खेला जा रहा है। ये देश हैं- कनाडा, मैक्सिको और अमेरिका। गेंद के डिजाइन में इन तीनों देशों की पहचान को शामिल किया गया है। इसमें लाल, हरे और नीले रंगों का इस्तेमाल किया गया है, जो मेजबान देशों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

महाकाल की भस्म आरती के लिए नई व्यवस्था

मोबाइल नंबर से 3 माह में एक बार मिलेगी अनुमति

उज्जैन। उज्जैन में भगवान महाकाल की भस्म आरती की अनुमति के लिए अब श्रद्धालु तीन माह में केवल एक बार अपने मोबाइल नंबर का उपयोग कर सकेंगे। यह व्यवस्था प्रोटोकॉल से आने वाले ऐसे मोबाइल नंबरों पर भी लागू होगी, जिनसे हर माह भस्म आरती की अनुमति ली जा रही है। हालांकि, मंदिर समिति का कहना है कि यह व्यवस्था पहले से लागू है, जिसे अब और प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है। करीब दो वर्ष पहले तक श्रद्धालु भस्म आरती की बुकिंग 15 दिन पहले ऑनलाइन करवा सकते थे। इसके लिए मोबाइल नंबर से जुड़ा कोई विशेष नियम नहीं था। वर्ष 2024 में भस्म आरती की अनुमति को लेकर लगातार मिल रही शिकायतों के चलते तत्कालीन कलेक्टर नीरज सिंह ने ऑनलाइन बुकिंग कराने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक आधार कार्ड और एक मोबाइल नंबर से तीन माह बाद ही दोबारा अनुमति देने का निर्णय लिया था।

शिकायतों के चलते मंदिर समिति ने निर्णय लिया है कि एक मोबाइल नंबर का उपयोग तीन माह बाद ही दोबारा किया जा सकेगा। अब जो श्रद्धालु प्रोटोकॉल या अन्य माध्यमों से हर माह भस्म आरती की अनुमति लेकर दर्शन करने आते थे, उन्हें तीन माह बाद ही दोबारा अनुमति मिल सकेगी।

संक्षिप्त समाचार

कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ

सतना। शहर के रामना टोला रोड स्थित समाजसेवी विश्वनाथ नेमा के

निवास पर संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ सोमवार 22 जून को किया गया। इस अवसर पर राज्य धर्मगुरू पीठाधीश्वर सूरज शरण शुक्ला महाराज का विशेष सानिध्य श्रद्धालुओं को प्राप्त हुआ। कथा व्यास शास्त्री ओमजी महाराज पोड़ी धाम मैहर द्वारा अपनी मधुकर वाणी से सात दिनों तक लोगों को कथा का रसपान कराया गया। श्रीमद् भागवत कथा के शुभारंभ अवसर पर शहर के जगतदेव तालाब शिव मंदिर से कलश यात्रा निकाली गयी जो शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुरूद्वारा नानक दरबार के पास रामना टोला पहुंची। कथा के प्रमुख श्रोता विश्वनाथ नेमा, संध्या नेमा, कावेरी नेमा, सावित्री नेमा व विभा नेमा ने शहरवासियों से कलश यात्रा में शामिल होकर पुण्यलाभ अर्जित करने की अपील की ।

प्राणायाम कार्यक्रम संपन्न

सतना। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर ताल तरंग कला केंद्र में विशेष योग एवं प्राणायाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मार्गदर्शन प्रसिद्ध एवं अनुभवी अंतरराष्ट्रीय योग प्रशिक्षिका एवं योग थेरेपिस्ट सुश्री रानी साहू द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कर स्वास्थ्य, अनुशासन एवं सकारात्मक जीवनशैली का संदेश दिया।

[कर्मक्षेत्र] वर्षों से निराश्रित बुज़ुर्गों का सहारा बना 'डॉ. लालता प्रसाद खरे पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट'

नीमी वृद्धाश्रम में 30 बुज़ुर्गों को मिल रहा आश्रय

सम्मान जनक जीवन की बेहतर व्यवस्था

नगर संवाददाता, सतना।

'डॉ. लालता प्रसाद खरे पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट' द्वारा संचालित वृद्धाश्रम पिछले 22 वर्षों से निराश्रित एवं जरूरतमंद बुजुर्गों की सेवा में समर्पित है। सकरिया रोड, नीमी स्थित आश्रम में वर्तमान में 30 बुजुर्ग निवासरत हैं, जिनमें 15 महिलाएं एवं 15 पुरुष शामिल हैं। ट्रस्ट के प्रबंधक दीपक शुक्ला ने जानकारी देते हुए

बताया कि ट्रस्ट की स्थापना वर्ष 2005 में समाजसेवी एवं पूर्व जनप्रतिनिधि डॉ.लालता प्रसाद खरे द्वारा की गई थी। उनके स्वर्गवास के बाद ट्रस्ट का संचालन अध्यक्ष मोतीलाल गोयल के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

अब तक 200 से अधिक बुज़ुर्गों को मिला आश्रय

दीपक ने बताया कि ट्रस्ट में स्थापना से अब तक लगभग 200 बुजुर्ग पंजीकृत होकर रह चुके हैं। आश्रम में बुजुर्गों के लिए सुरक्षित एवं पारिवारिक वातावरण उपलब्ध कराया गया है।आश्रम परिसर में डिस्पेंसरी संचालित है, जहां नियमित रूप से दवाइयां उपलब्ध कराई जाती हैं। एक चिकित्सक एवं एक कंपाउंडर की सेवाएं भी उपलब्ध हैं। सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं तथा दो सुरक्षा गार्ड तैनात हैं।

भोजन और दैनिक सुविधाओं का प्रबंध

उन्होने बताया कि आश्रम में भोजनालय संचालित है, जहां बुजुर्गों के लिए पौष्टिक भोजन तैयार किया जाता है। प्रतिदिन सुबह 8 :30 बजे नाश्ता तथा सुबह-शाम चाय एवं बिस्किट वितरित किए जाते हैं। परिसर में भगवान हनुमान एवं भगवान शंकर के मंदिर भी स्थापित हैं। बुजुर्गों के रहने के लिए पांच ब्लॉक बनाए गए हैं। पूरा परिसर स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित रखा जाता है।

11 ट्रस्टी संभाल रहे जिम्मेदारी

दीपक बताते हैं कि ट्रस्ट में कुल 11 ट्रस्टी कार्यरत हैं। अध्यक्ष श्री मोतीलाल गोयल, कोषाध्यक्ष श्री कमलेश पटेल एवं सचिव श्री के.डी. त्रिपाठी सहित अन्य ट्रस्टी संस्था के संचालन में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। वृद्धाश्रम में प्रवेश के लिए मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना तथा आयु 60 वर्ष या उससे अधिक होना आवश्यक है।

सरस्वती शिशु मंदिर में उत्साह पूर्वक मनाया गया योग दिवस

नगर संवाददाता, सतना।

सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के आगमन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात ब्रह्मनाद की तीन आवृतियाँ की गईं। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य गणेश गोविंद मिश्र द्वारा अतिथियों का परिचय एवं स्वागत किया गया। योगाभ्यास का संचालन अशोक कुमार द्विवेदी ने किया, जिसमें विद्यालय के छात्र-छात्राओं तथा आचार्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

इस अवसर पर श्रीमती सविता तिवारी एवं बहनों द्वारा निर्वाणषट्कम प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि जितेन्द्र सिंह परिहार (विद्या भारती मध्य क्षेत्र मंत्री) ने अपने उद्बोधन में योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को स्वस्थ एवं अनुशासित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विद्यालय के व्यवस्थापक प्रदीप ताम्रकार, कोषाध्यक्ष देवेन्द्र माहेश्वरी, प्रधानाचार्य गणेश प्रसाद द्विवेदी, राजेश तिवारी सहित समस्त आचार्य एवं दीदीगण उपस्थित रहे। साथ ही विद्यालय के पूर्व छात्र, अभिभावकगण तथा समाज के विभिन्न संगठनों से जुड़े गणमान्य बंधुओं की भी उल्लेखनीय उपस्थिति रही, जिससे कार्यक्रम की गरिमा एवं प्रभावशीलता में वृद्धि हुई। अंत में विद्यालय के प्राचार्य मुद्रिका प्रसाद दुबे ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक शांति पाठ के साथ हुआ।

एक ही परिवार के 6 सदस्यों ने लिया देहदान का संकल्प

156 वां देहदान का संकल्प

नगर संवाददाता, सतना।

मानव सेवा और परोपकार की अद्भुत मिसाल प्रस्तुत करते हुए संत मोतीराम आश्रम की प्रेरणा से प्रेरित होकर एक ही परिवार के 6 सदस्यों ने मरणोपरांत देहदान का संकल्प लिया। यह संकल्प न केवल समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत है, बल्कि मृत्यु के बाद भी मानवता की सेवा करने का श्रेष्ठ संदेश देता है।

आश्रम के सेवादारी अतुल दुबे ने बताया ग्राम जर्नादनपुर सतना निवासी सरदार वल्लभभाई पटेल स्मारक संस्था के संस्थापक आजीवन ट्रस्टी सदस्य पूर्व अध्यक्ष चौधरी महेंद्र सिंह पत्नी रंजना सिंह भाई भगवान सिंह पत्नी विद्या देवी भाई लोकनाथ सिंह पत्नी संगीता सिंह जी ने समाज को प्रेरणा देते हुए मरणोपरांत देहदान का संकल्प लिया।

परिवार के सदस्यों ने कहा कि संतों के सान्निध्य और आश्रम द्वारा संचालित जनजागरण अभियान से प्रेरित होकर यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया है परिवार का मानना है कि मृत्यु के पश्चात शरीर पंचतत्व में विलीन हो जाता है, ऐसे में देहदान के माध्यम से चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में योगदान देकर अनेक लोगों के जीवन को बेहतर बनाया जा सकता है।

महंत स्वामी खिम्यादास ने कहा कि देहदान महादान है। यह ऐसा पुण्य कार्य है जो व्यक्ति के जीवन के बाद भी समाज और मानवता के कल्याण का माध्यम बनता है एक ही परिवार के 6 सदस्यों द्वारा लिया गया यह संकल्प समाज में सेवा, त्याग और मानव कल्याण की भावना को नई दिशा प्रदान करेगा। यह पहल निश्चित रूप से अन्य परिवारों को भी प्रेरित करेगी कि वे मानवता के हित में ऐसे महान कार्यों करने के लिए आगे आयेंगे ऐसा मेरा विश्वास है। आश्रम के सेवादारी विनोद गेलानी ने बताया यह 156 वाँ देहदान का संकल्प है जबकि इसके पूर्व 13 देह मेडिकल कॉलेज रीवा सतना को सौंपी जा चुकी है।

देहदान का संकल्प लेने पर परिवार को महंत स्वामी खिम्यादास डॉ.प्रवीण श्रीवास्तव डॉ. सुनील कारखुर डॉ.संतोष शर्मा डॉ. अनुज शुक्ला डॉ. प्रियांशी अवस्थी ने संकल्प पत्र प्रदान किया। भाई प्रह्लाद, अतुल दुबे गोपीचंद कापड़ी नमो नारायण खत्री मनोहर मोरियानी ने मुकेश अग्रवाल अनिल चौरसिया विनोद गेलानी ने साधुवाद दिया।

प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

नगर संवाददाता, सतना।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड स्टाफ क्लब में योग शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शिवानंद दर्शन योगाश्रम, सतना से पधारे स्वामी श्री हरिश्रद्धानंद सरस्वती के सान्निध्य में कॉलोनी में निवासरत महिलाओं, कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर योगाभ्यास किया। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम ''योगा फॉर हेल्दी एजिंग'' रही।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वामी श्री हरिश्रद्धानंद सरस्वती ने कहा कि योग संतुलन, सजगता एवं शांति के अपने मूल्यों के माध्यम से व्यक्ति और प्रकृति को एक सूत्र में बांधता है। प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड के डीजीएम-सीएसआर एंड पीआर देवेन्द्र मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर हेड-एचआरएम एंड कॉर्पोरेट अफेयर्स तथा हेड-कॉर्पोरेट एचआर, डॉ. मनीष कुमार सिन्हा ने सभी को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य के लिए योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए। कार्यक्रम में डॉ. मनीष कुमार सिन्हा, प्रवीण श्रीवास्तव, आशीष कंपनी, श्री विपिन कुमार, देवेन्द्र मिश्रा, प्रणयन शरण, भूपेन्द्र ठाकुर, बृजेन्द्र दुबे, उत्तम सिंह, राजेश उपाध्याय, पंकज श्रीवास्तव, प्रकाश पाण्डेय, संजय सिंह परिहार सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी, महिलाएं एवं बच्चे उपस्थित रहे

आयोजन

सतना। रॉयल राजपूत संगठन द्वारा रविवार को शहर में शोभायात्रा निकाली गई।

पूर्व विधायक के निवास पहुंच कर विधानसभा अध्यक्ष ने दी श्रद्धांजलि

गरीबों के हक की लड़ाई लड़ने वाले जन नेता थे शंकरलाल तिवारी : नरेंद्र सिंह तोमर

नगर संवाददाता, सतना।

मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने रविवार को सतना प्रवास के दौरान पूर्व विधायक स्व. शंकरलाल तिवारी के निज निवास पहुंचकर उनके चित्र पर पुष्पहार अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की तथा शोकाकुल परिवारजनों से भेंटकर उन्हें ढांढस बंधाया।

उन्होंने कहा कि स्व. तिवारी का सार्वजनिक जीवन समाज सेवा, जनहित और क्षेत्र के विकास के प्रति समर्पित रहा, जिसे सदैव स्मरण किया जाएगा। इस दौरान स्व. तिवारी के पुत्र राजनारायण तिवारी, आशीष नारायण तिवारी, सांसद गणेश सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष पंडित भगवती प्रसाद पांडेय, रविंद्र सेठी, मंडल अध्यक्ष संजय अग्रवाल, अनिल जायसवाल, श्याम लाल गुप्ता श्यामू, अजय समुद्रर, शिवाकांत पांडेय, विमल नामदेव, राधा श्रीवास्तव, शिवा द्विवेदी,रश्मी नामदेव, हिमांशु श्रीवास्तव, राजेश त्रिपाठी, शारदा शुक्ला, कैलाश शर्मा सूदे, प्रेमलाल मिश्रा, धीरज चौरसिया, अमित जायसवाल, नरेंद्र जयसवाल, मनीष

स्व. पुरुषोत्तम सोनी को दी श्रद्धांजलि

विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने रविवार को सतना प्रवास के दौरान सिंधी कैंप पहुंचकर राकेश सोनी के पिता स्व. पुरुषोत्तम सोनी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने शोक संतप्त परिवार से भेंट कर संवेदना व्यक्त की।

गुप्ता, रविराज तिवारी, बृजभूषण शुक्ला राकेश शुक्ला, आलोक द्विवेदी, धीरु मिश्रा सहित सैंकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पूर्व स्पीकर के निज निवास पहुंचे विधानसभा अध्यक्ष,परिवार से की आत्मीय मुलाकात

देश और प्रदेश की राजनीति में लंबे समय से महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा रहे मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर जब भी सतना आते हैं, अपने पुराने सहयोगियों और कार्यकर्ताओं से आत्मीय मुलाकात करना नहीं भूलते। रविवार को सतना प्रवास के दौरान भी इसका एक बार फिर उदाहरण देखने को मिला। सतना प्रवास के दौरान विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर टिकुरिया टोला स्थित नगर निगम के पूर्व अध्यक्ष अनिल जायसवाल के निवास पहुंचे, जहां उन्होंने स्वल्पाहार ग्रहण किया तथा पूरे परिवार से आत्मीयता के साथ मुलाकात की। उल्लेखनीय है कि अनिल जायसवाल के पुत्र हर्ष जायसवाल का कुछ दिनों पूर्व विवाह समारोह संपन्न हुआ था। श्री तोमर उस विवाह समारोह में शामिल नहीं हो पाए थे। ऐसे में सतना पहुंचने पर उन्होंने अनिल जायसवाल के घर पहुंचकर न केवल परिवार को शुभकामनाएं दीं, बल्कि नवविवाहित दंपति से भी भेंट कर अपना स्नेह और आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी, चित्रकूट विधायक सुरेंद्र सिंह बघेल, लघु उद्योग निगम के पूर्व अध्यक्ष अखंड प्रताप सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष भगवती पांडे, बालेन्द्र गौतम सहित जिले के अनेक वरिष्ठ नेता एवं सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जैन महिला परिषद ने किया ध्यान योग

नगर संवाददाता, सतना।

अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद जैन महिला मिलन शाखा द्वारा योग दिवस के अवसर पर बहनों ने मिलकर श्री विद्यासागर उद्यान में ध्यान योग किया। हमारे ही बीच की बहन है जो अंतर अप्पा है श्रीमती निहारिका जैन, श्रीमती नम्रता जैन, बहुत अच्छी तरीके से अर्हम ध्यान योग कराया जिसमें उन्हें पांच मुद्रा ताली बजाना जो मुनि प्रणाम में सागर जी ने बताए प्राणायाम का योग भी करवाया और योग के क्या फायदे हैं यह सारी जानकारी दी। बहने जिन्होंने ध्यान किया उनमें श्रीमती प्रियंका जैन, श्रीमती रश्मि जैन, श्रीमती रोशनी जैन, श्रीमती रीता जैन, श्रीमती ममता जैन श्रीमती स्वाति जैन, श्रीमती रिचा जैन, श्रीमती डॉक्टर श्रेया जैन, श्रीमती गरिमा जैन, श्रीमती निधि जैन, श्रीमती संध्या जैन, श्रीमती ममता जैन, अध्यक्ष-श्रीमती स्वाति जैन, सचिव -श्रीमती रिचा जैन, कोषाध्यक्ष-श्रीमती डॉक्टर श्रेया जैन रहीं।

सिंधी कैंप स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन में योग दिवस मनाया

नगर संवाददाता, सतना।

अंर्तराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर संत निरंकारी मिशन की शहर की शाखा में योग एवं आध्यात्मिक जागरूकता पर केंद्रित कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। इसी क्रम में स्थानीय संयोजक महात्मा डाक्टर जे.पी.सेवानी ने जानकारी सांझा करते हुए बताया कि संत निरंकारी मिशन की शाखा सतना सिंधी कैंप स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन में भी योग दिवस उत्साह पूर्वक हुआ। कार्यक्रम में श्रद्धालु भक्तों, सेवादल स्वयंसेवकों एवं स्थानीय नागरिकों ने सक्रिय सहभागिता की। अनुभवी योग प्रशिक्षक महात्मा विक्रम चांदवानी के मार्गदर्शन में आयोजित योग सत्र में प्रतिभागियों ने योगाभ्यास कर स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।

[नगर निगम] विभिन्न वार्डों में नाला सफाई व कचरा उठाव कार्य जारी

आयुक्त के निर्देश पर वर्षा पूर्व तैयारियां तेज

नगर संवाददाता, सतना।

आगामी वर्षा ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए नगर पालिक निगम द्वारा शहर में जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने एवं जलभराव की समस्या से निपटने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। आयुक्त डॉ. शेर सिंह मीना के निर्देशानुसार विभिन्न वार्डों में नाली सफाई एवं कचरा उठाव कार्य लगातार कराए जा रहे हैं। अभियान के तहत रविवार 21 जून को वार्ड क्रमांक 17 स्थित राम टेकरी क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए जेसीबी मशीन की सहायता से कच्ची नाली का निर्माण कराया जा रहा है। वहीं ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में कच्चे नाले की सफाई कर उसमें जमा गाद एवं कचरे को हटाया जा रहा है, जिससे वर्षा जल का निर्बाध प्रवाह सुनिश्चित हो सके। इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 24 स्थित श्री साईं मैरिज गार्डन के समीप जमा कचरे का सीसी डंपर के माध्यम से उठाव कराया गया। वहीं सब्जी मंडी के पास स्थित स्मार्ट सिटी पार्क क्षेत्र में नाला सफाई से निकले कचरे का उठाव कर क्षेत्र को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाया जा रहा है। निगम द्वारा वर्षा पूर्व सभी प्रमुख नालों एवं जल निकासी मार्गों को अवरोधमुक्त बनाने के लिए विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। निगम प्रशासन का उद्देश्य वर्षा के दौरान जलभराव की स्थिति को रोकना तथा नागरिकों को बेहतर स्वच्छता एवं सुगम जल निकासी की सुविधा उपलब्ध कराना है।

सिंधी कैंप क्षेत्र में 21 लाख की लागत से सीसी सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन

वार्ड क्रमांक 21 स्थित सिंधी कैंप क्षेत्र में 21.12 लाख की लागत से निर्मित होने वाली सीसी सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन महापौर योगेश कुमार ताम्रकार द्वारा विधिवत पूजन-अर्चन के साथ सम्पन्न किया गया। सड़क निर्माण कार्य पूर्ण होने पर क्षेत्रवासियों को बेहतर एवं सुगम आवागमन सुविधा उपलब्ध होगी तथा क्षेत्र की आधारभूत संरचना को मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम में महंत स्वामी बाबा संतोष दास (मनोहर

धाम),नगर निगम स्पीकर राजेश चतुर्वेदी, निर्माण समिति अध्यक्ष एवं एमआईसी सदस्य गोपी गेलानी, पूर्व पार्षद श्रीचंद मनवानी, वरिष्ठ समाजसेवी प्रेम असरानी, दिलीप टकरानी, दयाराम आडवाणी, सन्मुखदास चांदवानी, किशनचंद, विनोद गेलानी, अशोक चांदवानी सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे।

दिव्यांग क्रिकेट एसोसिएशन की वार्षिक आमसभा में लिए गए कई निर्णय

नगर संवाददाता, सतना।

दिव्यांग क्रिकेट एसोसिएशन मध्य प्रदेश की वार्षिक आमसभा 20 जून को भोपाल में सफलता पूर्वक सम्पन्न हुई। बैठक में दिव्यांग खिलाड़ियों के हितों को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए तथा आगामी वर्ष की खेल गतिविधियों एवं आयोजनों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक की जानकारी देते हुए उपाध्यक्ष अंकित शर्मा ने बताया कि सभा में पिछले वर्ष की उपलब्धियों और संगठन द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा की गई। साथ ही प्रदेशभर में संगठन को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से प्रत्येक संभाग में कोऑर्डिनेटर नियुक्त करने का निर्णय लिया गया। इसी क्रम में भोपाल संभाग के लिए विवेक गुप्ता को कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया गया, जबकि जबलपुर संभाग की जिम्मेदारी आनंद तिवारी को सौंपी गई। बैठक में आगामी सत्र के लिए एक प्रीमियर लीग, एक राष्ट्रीय टूर्नामेंट तथा एक अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित करने पर भी सहमति बनी। इसके अतिरिक्त एसोसिएशन की प्रतिष्ठित अंतर संभागीय ट्रॉफी 'प्रहलाद ट्रॉफी' के अगले सत्र में प्रदेश के 10 संभागों को दो पूल में विभाजित करने, टीमों एवं खिलाड़ियों की ग्रेडिंग प्रणाली लागू करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा की गई। बैठक के अंत में सचिव आकांक्षु खुराना ने सभी प्रायोजकों, पदाधिकारियों एवं प्रदेश के विभिन्न संभागों से आए सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त समाचार

औद्योगिक इकाइयां जिले में पेसा एक्ट की उड़ा रही धज्जियां- निलेश पांडे

कोतमा। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा अनूपपुर जिले को औद्योगिक जिला बनया जा रहा है कोल माइंस, बॉक्साइट, पावर एनर्जी के साथ-साथ तमाम कई कंपनियां अनूपपुर जिले में पांव पसार चुकी हैं लेकिन नियम कानून की धज्जियां उड़ाते हुए पेसा एक्ट को दरकिनार करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं जो जनहित में उचित नहीं है। उक्त आरोप कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष निलेश पांडे ने लगाया है। उन्होंने कहा कि विगत दो दशक पूर्व में मोजर बेयर पावर प्लांट पहले नियम कानून की धज्जियां उड़ाकर कार्य किया। अब जेएमएस कोल माइंस प्राइवेट लिमिटेड अनूपपुर थर्मल पावर एनर्जी एवं अदानी कोल माइंस नियम कानून की चुनौती देकर कार्य कर रहे हैं। स्थानीय प्रशासन नियम विरोधियों का सहयोग कर रहा है। कांग्रेस नेता निलेश पांडे ने दो टुक शब्दों में कहा कि शासन द्वारा बनाए गए नियम कानून की दुर्गति जिला एवं स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी निजी कंपनियों के साथ मिलकर कर रहे हैं।

पुलिस लाइन में पदस्थ अधिकारियों व कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक लिया भाग

अनूपपुर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पुलिस लाइन अनूपपुर में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस लाइन में पदस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए सामूहिक योगाभ्यास किया। योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की क्रियाएं कराई गईं। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने का प्रभावी माध्यम है। नियमित योगाभ्यास से तनाव में कमी आती है तथा कार्यक्षमता एवं एकाग्रता में वृद्धि होती है। कार्यक्रम में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने दैनिक जीवन में योग को अपनाने तथा स्वस्थ जीवनशैली विकसित करने के लिए प्रेरित किया गया।सभी प्रतिभागियों ने योग को नियमित रूप से करने का संकल्प लिया।

पीआरटी कॉलेज ऑफ लॉ, के एल.एल.एम. प्रथम सेमेस्टर का उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम

कोतमा। पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय, शहडोल द्वारा एल.एल.एम. प्रथम सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। घोषित परिणाम में पंडित रामगोपाल तिवारी कॉलेज ऑफ लॉ, अनूपपुर के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए महाविद्यालय एवं जिले का नाम गौरवान्वित किया है। एल.एल.एम. प्रथम सेमेस्टर के घोषित परिणाम में अमित कुमार सिंह ने 8.50 एसजीपीए प्राप्त कर शानदार प्रदर्शन किया। वहीं हनुमान दास महारा ने 8.00 एसजीपीए तथा सूरत लाल कनौजिया ने 8.00 एसजीपीए प्राप्त कर अपनी मेहनत, लगन एवं नियमित अध्ययन का परिचय दिया। विद्यार्थियों की यह उपलब्धि उनके निरंतर परिश्रम, शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं महाविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण का परिणाम है।

सवर्ण समाज की बैठक अमानगंज में आयोजित

अमानगंज। तहसील अमानगंज स्तरीय सवर्ण समाज की बैठक आज दिनांक 21 जून को श्री श्री 1008 बालाजी सरकार मंदिर अमानगंज परिसर में सवर्ण अधिकारी एवं कर्मचारी संगठन मध्य प्रदेश की अमानगंज तहसील बैठक का आयोजन किया गया जिसमें तहसील अमानगंज में समिति गठन के संबंध में चर्चा की गई साथ ही संगठन की रूपरेखा एवं आगामी कार्यक्रम के संबंध में विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में मुख्य रूप से सवर्ण अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष इंजीनियर अजय तिवारी , सवर्ण समाज के जिला अध्यक्ष सुरेंद्र खरे उपस्थित रहे। तहसील अमानगंज हेतु पहली विंग तहसील अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार द्विवेदी प्रचार्य, सहायक अध्यक्ष मनि राजा बुंदेला शिक्षक एवं दूसरी विंग से विजय तिवारी रिटा. अस्पताल कर्मचारी, सहायक अध्यक्ष रमाशंकर रावत (रामू) को सर्व सम्मति से निर्वाचित किया गया।

[व्यवस्था] सहायक संचालकों और सीनियर प्राचार्यों सहित उपसंचालक को किया गया दरकिनार

प्रभारी सहायक संचालक बना डीईओ की कुर्सी पर लिफ्ट कराए गए प्राचार्य प्रेमलाल

■ **शासन ने रामराज के साथ नहीं की मुरौव्वत**

रीवा, नगर संवाददाता।

शासन द्वारा स्कूल शिक्षा विभाग में प्रदेश स्तर पर व्यापक प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। इसी क्रम में रीवा डीईओ की कुर्सी पर भी नवीन पदस्थापना की गई है। हायर सेकेण्डरी स्कूल प्राचार्य डॉ. प्रेमलाल मिश्रा को पहले प्रभारी सहायक संचालक बनाया गया और उसके बाद उन्हें जिला शिक्षा अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार सौंप दिया गया। एक ही शासनादेश में दोनों काम हो गए। तथा दूसरी तरफ सीनियर प्राचार्य रामराज प्रसाद मिश्रा जो प्रभारी डीईओ रहे और उनका रिटायरमेंट जुलाई 2026 में है, को डीईओ की कुर्सी से बेदखल करते हुए उन्हें शाउमावि बैकुण्ठपुर का प्राचार्य बना दिया गया। म.प्र. शासन स्कूल शिक्षा विभाग के शीर्ष अधिकारी चाहते तो एक सीनियर और रिटायरमेंट के मुहाने पर खड़े प्राचार्य के साथ कम से कम इतनी मुरौव्वत कर सकते थे कि जिला शिक्षा अधिकारी का प्रभार उनसे बीच में छीनने के बजाए उनके सेवानिवृत्त होने का इंतजार कर लिया जाता। प्रभारी डीईओ के पद से सेवानिवृत्त होने पर सीनियर प्राचार्य रामराज प्रसाद मिश्रा का भी सम्मान बचा रहता। रीवा में डीईओ की कुर्सी के प्रभार और पदस्थापना के लि विचित्र परंपरा रही है। यहां कभी हेडमास्टर को डीईओ की कुर्सी पर बैठा दिया जाता है तो कभी प्राचार्य को, यहां सवाल पदस्थापना से कहीं ज्यादा उसके पैमाने का है कि किस आधार पर डीईओ की कुर्सी का प्रभार सौंपा जाता है? आमजन के लिए शोध का विषय यह बात हो सकती है, जबकि जिनकी पदस्थापना होती है और जो आदेश करते हैं उनको पैमाने का भरपूर इल्म होता है। अगर कहा जाए कि सेटिंग और सिफारिशी फेविकोल के बेजोड़ जोड़ से प्रशासनिक व्यवस्था के सारे पारंपरिक समीकरण बदल जाते हैं तो अनुचित नहीं होगा। वैसे भी राज्य में सत्ता परिवर्तन हुए दो

दशक से ज्यादा का समय हो गया है, लेकिन सत्ता का चरित्र बदला हुआ दिखाई नहीं देता है। कांग्रेस शासन में वरिष्ठता, अनुभव और प्रशासनिक दक्षता का गला घोटकर हेडमास्टर को डीईओ बना दिया जाता था, वही कार्य संस्कृति मौजूदा में भी विद्यमान है।

दोहरे मापदण्ड की पदस्थापना

हालात ये हैं कि जब किसी नियमविपरीत नियुक्ति अथवा पदस्थापना को लेकर हाय तौबा करने का दम किसी में नहीं रह गया है। स्वार्थ का चश्मा सबने अपनी आंखों पर चढ़ा रखा है, फलतः कोई आवाज नहीं उठाता। वर्तमान प्रभारी डीईओ का मूल पद प्राचार्य का है, इसी प्रकार पूर्व में एक जूनियर प्राचार्य को डीईओ की कुर्सी पर बैठा दिया गया किन्तु बदकिस्मती से फर्जी अनुकंपा नियुक्ति घोटाला उन्हें ले डूबा। ध्यान देने योग्य बात है कि शासन द्वारा स्कूल शिक्षा विभाग से संबंधित 18 जून 2026 को नवीन पदस्थापना व स्थानान्तरण की जो सूची जारी की गई है उनमें अपवादस्वरूप कतिपय प्रकरण को छोड़कर शेष में जिला शिक्षा अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार सहायक संचालक को सौंपा गया है जबकि रीवा एवं दो अन्य जिलों में हायर सेकेण्डरी प्राचार्यों को पहले प्रभारी सहायक संचालक बनाया गया और उसी आधार पर सहायक संचालकों की भांति उन्हें भी जिला शिक्षा अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार सौंप दिया गया। अगर शासन को सहायक संचालकों को ही डीईओ का अतिरिक्त प्रभार सौंपना था तो रीवा रीजन में आधा दर्जन सीनियर संचालक शिक्षा विभाग में पदस्थ हैं, उन पर विचार क्यों नहीं किया गया, अंगारे के समान धधकता सवाल है? प्राचार्य को प्रभारी सहायक संचालक बनाकर डीईओ की कुर्सी पर लिफ्ट कराया जाना, दर्शाता है कि सब सेटिंग और दोहरे मापदण्ड का खेल है?

विभागीय कार्यप्रणाली पर लगा प्रश्नचिन्ह

पुख्ता जानकारी के लिए बता दें कि स्कूल शिक्षा विभाग के संभागीय कार्यालय रीवा में तीन सहायक संचालक वीणा पयासी, विवेक कुमार पटेल और संजय रावत पूर्व से पदस्थ हैं। इनके अलावा जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय रीवा में ही रमसा प्रभारी के पद पर सहायक संचालक आकांक्षा सोनी पदस्थ हैं। उक्त सभी सहायक संचालक प्रभारी की बैसाखी पर नहीं हैं। यह जरूर हो सकता है कि डीईओ की कुर्सी के लिए बनाए गए पैरामीटर के खांचे में अकेले प्रेमलाल मिश्रा फिट बैठे हों? शिक्षा विभाग से जुड़े सूत्र बताते हैं कि नियमतः डीईओ का पद उपसंचालक स्तर का है, प्रथम प्राथमिकता उपसंचालक की होना चाहिए। उपसंचालक के अभाव में सहायक संचालक को डीईओ का प्रभार देना उचित है। रीवा में इकलौते उपसंचालक टी.पी. सिंह हैं, जो डाइट प्राचार्य के पद पर पदस्थ हैं। उनको नजरअंदाज किया जाना समझ में आता है, लेकिन सहायक संचालकों को दरकिनार किया जाना विभागीय नीति-नियंताओं की कार्य प्रणाली पर प्रश्नचिन्ह है। मान लिया जाए कि रीवा जिले में पदस्थ सहायक संचालक डीईओ के प्रभार की योग्यता नहीं रखते हैं तो सिंगरौली से सहायक संचालक रोहिणी प्रसाद पाण्डेय एवं कविता त्रिपाठी तथा सीधी जिले से सहायक संचालक ओशो उत्सव को आयातित किया जा सकता था। बावजूद उसके भी यदि प्रभारी सहायक संचालक के प्रति शासन की इतनी नेमत थी तो डीईओ आफिस में ही प्रभारी सहायक संचालक राजेश मिश्रा पहले से कार्यरत हैं, उनको आजमाया जा सकता था।

अधीन काम करने की विवशता

गौरतलब है कि प्रदेश के भीतर किसी भी महत्वपूर्ण पद पर पदस्थापना या प्रभार के लिए सारा गुणा-भाग रीवा जिले के मामले में ही किया जाता है। वरिष्ठता को सलीब पर टांगने की परिपाटी बन गई है। शासनादेश के आधार पर डॉ. प्रेमलाल प्रभारी डीईओ बन गए हैं, जो सहायक संचालकों एवं सीनियर प्राचार्यों के लिए अंदरूनी छटपटाहट से कम नहीं है। कारण कि उन्हें प्राचार्य बने डीईओ के अधीन कार्य करना होगा। विवशता वश ही किन्तु कार्य तो करना ही होगा वरना इनका कृत्य अनुशासनहीनता कहलाएगा।

भारत की अमूल्य पांडुलिपि विरासत को सहेजने के लिए संस्कृति मंत्रालय की अनूठी पहल

ज्ञानभारतम ऐप से घर बैठे डिजिटल सर्वे में भाग ले सकेंगे नागरिक

रीवा। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा देश की अमूल्य ज्ञान.परंपरा और सांस्कृतिक धरोहरों को सुरक्षित करने के उद्देश्य से एक राष्ट्रीय पहल ज्ञानभारतम् मिशन की शुरुआत की गई है। इस अभियान के तहत भारत की प्राचीन सभ्यताओं के ज्ञान, विज्ञान, दर्शन, परंपराओं और सांस्कृतिक स्मृतियों को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने के लिए ज्ञानभारतम् मोबाइल एप्लीकेशन लॉन्च किया गया है। जिले के ऐसे समस्त नागरिक, संस्थाएँ, मंदिर या पुस्तकालय जिनके पास प्राचीन पांडुलिपियाँ उपलब्ध हैं, वे इस ऐप के माध्यम से सीधे राष्ट्रीय सर्वेक्षण का हिस्सा बनकर अपनी सक्रिय भागीदारी निभा सकते हैं। रीवा जिले में पाँच हजार से अधिक पाण्डुलिपियों को ऐप में दर्ज किया गया है। ज्ञानभारतम ऐप में कोई भी उपयोगकर्ता अपने मोबाइल नंबर या ईमेल आईडी के माध्यम से बेहद सुरक्षित तरीके से लॉगिन कर सकता है। लॉगिन करने के पश्चात उपयोगकर्ता अपने द्वारा भेजे गए सर्वे रिक्वेस्ट के सबमिशन का पूरा इतिहास देख सकते हैं तथा उसकी वर्तमान स्टेटस को आसानी से पता लगा सकते हैं।

ऐप को पहली बार शुरू करते समय डिवाइस की लोकेशन एक्सेस अनुमति देना आवश्यक होगा। यह अनुमति केवल पांडुलिपि के यथार्थ और सटीक स्थान के प्रमाणिक अभिलेखन के उद्देश्य से ली जाती है। ऐप के माध्यम से जानकारी दर्ज करने की प्रक्रिया को बेहद सरल और जन.उपयोगी बनाया गया है। ऐप में हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत और प्राकृत सहित कुल 23 भाषाओं का उपयोग किया जा सकता है। लेकिन मुख्य सर्वे फॉर्म की प्रविष्टियाँ अंग्रेजी में ही भरी जाएंगी। उपयोगकर्ता अपनी श्रेणी के अनुसार व्यक्तिगत संरक्षक, संस्था/ पुस्तकालय/ट्रस्ट, आम नागरिक या मिशन के अधिकृत सर्वेक्षक के विकल्प का चयन कर सकते हैं। यहाँ संस्था अथवा व्यक्तिगत संरक्षक का नाम, मोबाइल नंबर और पदनाम दर्ज करना होता है ताकि मिशन टीम भविष्य में सीधे संपर्क कर सके। स्थान का निर्धारण करने के लिए राज्य, जिला, पूरा पता और पिन कोड अंकित करना होगा। साक्ष्य के तौर पर पांडुलिपि के कवर पेज या पहले पृष्ठ का कम से कम एक स्पष्ट और बिना धुंधलापन वाला फोटो अपलोड करना अनिवार्य है। अंतिम चरण में पांडुलिपि की लिपिए भाषा और सामग्री, कागज, धातु आदिद्ध की समीक्षा करके सबमिट रिक्वेस्ट पर क्लिक करते ही एक यूनिक रिक्वेस्ट आईडी जनरेट हो जाएगी।

अपनी अमूल्य धरोहर को नष्ट होने से बचाएं . संस्कृति मंत्रालय की इस मुहिम का मुख्य उद्देश्य उन दुर्लभ ज्ञान.स्रोतों की पहचान करना है जिन्हें संरक्षण, कैटलॉगिंग और डिजिटाइजेशन की तत्काल आवश्यकता है। जिले के सभी प्रबुद्ध नागरिकों, प्राचीन मंदिरों, मठों, रियासतकालीन पुस्तकालयों और शोधार्थियों से अपील की गई है कि वे ज्ञानभारतम ऐप के माध्यम से अपनी ऐतिहासिक पांडुलिपियों को पंजीकृत कराएं।

बोगी में बैठकर जबलपुर से रीवा पहुंचे महाप्रबंधक

निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण, अधिकारियों व ठेकेदारों की लगायी क्लास

नगर संवाददाता, रीवा।

शनिवार की सुबह रेलवे स्टेशन में उस समय हड़कंप मच गया, जब जबलपुर से महाप्रबंधक लावलस्कर के साथ 8 बोगियों की स्पेशल ट्रेन से रीवा स्टेशन पहुंचे। जीएम ने स्टेशन पहुंचने के बाद एक एक कर सभी निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। अधिकारियों और ठेकेदारों की क्लास भी लगाई। इसके बाद डिप्टी सीएम की बैठक में भी शामिल हुए। बताया गया कि रीवा रेलवे स्टेशन में कई निर्माण कार्य चल रहे हैं। रीवा से सीधी रेलवे लाइन का भी काम चल रहा है। बघवार तक रेलवे लाइन भी बन कर तैयार हो गई है। मालगाड़ी का संचालन भी शुरू हो गया है। अब सिर्फ सीधी तक रेलवे लाइन की पटरियां बिछाना शेष है। काम तेजी से चल रहा है। इसी का निरीक्षण करने पहली बार जबलपुर रेल मंडल के महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह शनिवार को रीवा पहुंचे। जबलपुर से स्पेशल ट्रेन से जीएम पूरी टीम को लेकर स्टेशन पहुंचे। सुबह 9 बजे जैसे ही स्पेशल ट्रेन स्टेशन पर रुकी, भगदगड़ मचनी शुरू हो गई। यह भगदड़ पब्लिक की नहीं थी, जीएम के पहुंचने से अधिकारियों, कर्मचारियों के बीच मचनी शुरू हो गई। जीएम के आगे पीछे पूरा स्टाफ लगा था। जीएम ने

एक एक कर पूरे परिसर का निरीक्षण किये। करीब एक से डेढ़ घंटे तक निरीक्षण चला। इसके बाद वह सर्किट हाउस रवाना हो गए। सर्किट हाउस से कमिश्नर कार्यालय में आयेजित बैठक में शामिल हुए।

मानसून के पहले होती हैं सर्वाधिक आकाशीय बिजली की घटनाएं

आकाशीय बिजली से स्वयं को बचाएंए दिशा-निर्देशों का करें पालन

रीवा। आकाशीय बिजली से बचाव के लिए स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग ने जन समुदाय के लिए आवश्यक दिशा.निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों का पालन कर आकाशीय बिजली से सुरक्षा और बचाव किया जा सकता है। आकाशीय बिजली से बाहरी गतिविधियों में शामिल लोग जैसे खेतोंए औद्योगिक स्थानों, निर्माण और सामग्री हैंडलिंग वाले स्थलों पर काम करने वाले लोग सर्वाधिक संवेदनशील होते हैं। आकाशीय बिजली किसी भी समय गिर सकती है। यह मानसून के पहले जून.जुलाई में अधिक होती है। दोपहर और सायंकाल के बीच वज्रपात की घटनाएं सर्वाधिक देखी जाती हैं।

ऊंची नुकीली संरचनाओं, पेड़ों पर आकाशीय बिजली गिरने की अधिक संभावना होती है। ऐसे स्थानों से दूर रहने की सलाह दी गई है। जारी निर्देश में कहा गया है कि धातु का मचानए धातु के उपकरण, पानी के पाइप या प्लम्बिंग, बिजली का संचालन करने वाली सामग्री अथवा सतहों के संपर्क से बचें। ऊंची अधोसंरचनाएं, पहाड़ी टेकरी, बिजली के खंभे, टेलीफोन के खंभे, ऊंचा पेड़े छत, मचान, धातु की सीढ़ी, बड़े मशीन जैसे बुलडोजर, क्रेन और ट्रेक्टर जैसे वाहनों से दूर रहें। विस्फोट संभावित क्षेत्रों तथा उद्योग स्थलों से तत्काल सुरक्षित स्थल की ओर प्रस्थान करें। धातुयुक्त वाहनों से विद्युत प्रवाह संभावित होने के कारण तुरंत सुरक्षित स्थलों की ओर जाएं। सड़क पर होने पर तुरंत किसी भवन के अंदर शरण लें। आकाशीय बिजली के गर्जन सुनाई देने के बाद कम से कम 30 मिनट तक सुरक्षित स्थान पर बने रहें। बिजली एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के संपर्क से दूरी बनाए रखें। इन्हें पावर प्लग से पृथक करें। बिजली का प्रवाह किसी भी दीवार, फर्श, इलेक्ट्रिकल सिस्टम, रेडियो और टेलीविजन रिसेप्शन सिस्टम तारों के माध्यम से हो सकता है। घर, कार्यालय में अर्थिंग सुनिश्चित करें। खुले हुए खिड़की, दरवाजे, धातु के पाइप इत्यादि के पास खड़े नहीं रहें। पानी के धातु पाइप से बिजली प्रवाहित हो सकती है।

विभाग द्वारा चिकित्सकीय सेवाओं के प्रदाय के लिए आवश्यक तैयारियाँ सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिये गये हैं। प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों के लिए विशेष कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिये गये हैं। पर्याप्त संख्या में औषधियाँ, सामग्री और पैरामेडिकल स्टॉफ का उन्मुखीकरण सुनिश्चित करने को कहा गया है। सभी शासकीय चिकित्सालयों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आशा कार्यकर्ताओं एएनएम, सीएचओ के पास जीवन रक्षक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित हो। बहु.उद्देशीय कार्यकर्ताओं, आशा कार्यकर्ताओं एवं आशा पर्यवेक्षकों को स्थानीय स्तर पर आपात सेवा स्थापित करने के लिए तैयार रखा जाये। शासकीय अमले की सहायता के लिये स्थानीय स्वयंसेवी संगठनों व पैरामेडिकल स्टॉफको चिन्हित कर आपात स्थिति में उनकी सेवाएं प्राप्त करने की व्यवस्था करने के निर्देश दिये गये हैं।

नीट परीक्षा में बैठे 4833 परीक्षार्थी, 566 रहे अनुपस्थित

रीवा। रीवा में 13 परीक्षा केन्द्रों में नीट यूजी की प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, पुलिस अधीक्षक गुरुकरण सिंह तथा अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी द्वारा परीक्षा दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सतत् रूप से परीक्षा केन्द्रों का भ्रमण किया गया। नीट प्रवेश परीक्षा के लिए दर्ज कुल परीक्षार्थी संख्या 5399 में से 4833 परीक्षार्थी ही परीक्षा में सम्मिलित हुए जबकि 566 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

परीक्षा केन्द्रवार स्थिति पर निगाह डाली जाए तो टीआरएस कालेज में दर्ज 600 में 546 परीक्षार्थी उपस्थित व 54 अनुपस्थित रहे। केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 1 में दर्ज 600 में 532 परीक्षार्थी उपस्थित व 68 अनुपस्थित, एस.के1 स्कूल में दर्ज 528 में 471 परीक्षार्थी उपस्थित व 57 अनुपस्थित, मॉडल स्कूल में दर्ज 528 परीक्षार्थी में 480 उपस्थित व 48 अनुपस्थित, पी.के. स्कूल में दर्ज 504 परीक्षार्थी में 461 उपस्थित व 43 अनुपस्थित, उत्कृष्ट मार्तण्ड क्र.1 में दर्ज 480 परीक्षाथ्री में 437 उपस्थित व 43 अनुपस्थित, पॉलीटेक्निक कालेज में दर्ज 456 परीक्षार्थी में 396 उपस्थित व 60 अनुपस्थित, मार्तण्ड स्कूल क्रमांक 2 में दर्ज 360 में 308 उपस्थित व 52 अनुपस्थित, शाउमावि क्र.1 में दर्ज 360 परीक्षार्थी में 322 उपस्थित व 38 अनुपस्थित, जीडीसी में दर्ज 288 परीक्षार्थी में 256 उपस्थित व 32 अनुपस्थित, लॉ कालेज में दर्ज परीक्षार्थी 288 में 254 उपस्थित व 34 अनुपस्थित, केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 2 में दर्ज 239 परीक्षार्थी में 214 उपस्थित व 25 अनुपस्थित, तथा परीक्षा केन्द्र शाउमावि क्रमांक 2 में दर्ज 168 में 156 परीक्षार्थी उपस्थित व 12 परीक्षार्थी अनुपस्थित दर्ज किए गए।

18 दिव्यांग बैठे, 1 ने लिया रायटर

नीट प्रवेश परीक्षा में 18 दिव्यांग परीक्षार्थी शामिल हुए तथा एक परीक्षार्थी द्वारा रायटर (स्क्राइब) की सुविधा ली गई। यहां इस बात का उल्लेख जरूरी है कि जिन परीक्षार्थियों द्वारा परीक्षा को लेकर जारी गाइडलाइन का गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया, गाइडलाइन का अवलोकन नहीं किया गया या फिर अंजान बने परीक्षा केन्द्रों में वे पहुंच गए उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ा। प्रतिबंधित हाथ का कलावा काट दिया गया, पैंट की पॉकेट में लगी जिप को निकाल दिया गया, यहां तक कि जिन्होंने कोचिंग विशेष का नाम लिखे टी शर्ट पहन रखे थे उनको उतरवा दिया गया। दूसरे कपड़े न होने पर परीक्षार्थी विशेष को उल्टी टी शर्ट पहनना पड़ा, तब जाकर परीक्षा केन्द्र में प्रवेश संभव हुआ। विदित हो कि मेडिकल और संबंधित स्वास्थ्य विज्ञान पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए नीट-यूजी राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा है। पूर्व में आयोजित नीट एग्जाम का पेपर लीक होने के कारण पूरे देश में दोबारा यह परीक्षा कराई गई।

संपादकीय

‘भरोसे’ का रिश्ता

करीब 16 माह बाद भारत के प्रधानमंत्री मोदी और अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने हाथ मिलाए, लेकिन गर्मजोशी से गले नहीं मिले। हालांकि, इस महामुलाकात के दौरान कई गांठें खुली होंगी, भ्रम टूटे होंगे, धारणाएं बदली होंगी, कई तरह की बर्फ भी पिघली होगी, नतीजतन राष्ट्रपति ट्रंप ने ओमान खाड़ी में तीन भारतीय नाविकों की हत्या पर शोक जताया और भविष्य में सभी नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आश्वासन भी दिया। राष्ट्रपति ट्रंप ने पहली बार ऐसा बयान देकर दुनिया को चौंका दिया कि यदि किसी ने इस शख्स पर हमला किया, तो हम भारत की मदद करेंगे। जब तक भारत में प्रधानमंत्री मोदी हैं, तब तक प्रत्येक हमले में अमरीका भारत के साथ खड़ा रहेगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि भारत में कोई नया नेता होगा, तो फिर उन्हें सोचना पड़ेगा। अमरीकी राष्ट्रपति का यह अभिमत तब सामने आया, जब उनसे भारत के साथ रक्षा-सहयोग का सवाल पूछा गया। बेशक भारत और अमरीका रणनीतिक साझेदार देश हैं। दोनों के बीच रक्षा, सुरक्षा, संरक्षा के करार मौजूद हैं। ये करार भावनात्मक भी हैं और मसविदों पर अंकित भी हैं। सबसे अहम उदाहरण ‘क्वाड’ का है, जिसमें भारत और अमरीका के अलावा, जापान और ऑस्ट्रेलिया भी शामिल हैं। इन देशों के लिए हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के क्षेत्र अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील हैं। करीब 35 फीसदी व्यापार हिंद महासागर के जरिए होता है। वहां चीन भी मौजूद है और कभी-कभार हेकड़ी भी दिखाता है, लिहाजा अमरीका के इस क्षेत्र में अस्तित्व और सक्रियता के लिए तथा चीन की आक्रामकता का जवाब देने के लिए अमरीका को भारत की जरूरत है। और कोई विकल्प ही नहीं है। इसके अलावा, मई 2025 में ‘ऑपरेशन सिंदूर’ के दौरान चीन और तुर्किये ने पाकिस्तान की सैन्य मदद की थी, उसके बावजूद भारत की वायुसेना ने पाकिस्तान के एयरबेस और विमानों को मिट्टी-मलबे में तबदील कर दिया था। बहरहाल अब राष्ट्रपति ट्रंप ने सार्वजनिक बयान दिया है कि भारत पर किसी भी हमले की सूरत में अमरीका मदद करेगा। यह कूटनीतिक समीकरणों में ऐतिहासिक बदलाव का स्पष्ट संकेत है, क्योंकि भारत पहले सोवियत संघ समर्थक था और अब भी रूस का घनिष्ठ मित्र है, लेकिन अमरीका का घोषित रणनीतिक साझेदार भी है। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप को साफ कहा है कि साझेदारी समान और सम्मानजनक होनी चाहिए। कोई भी रिश्ता, संबंध ‘भरोसे’ के बूते ही कामयाब होता है। भारत-अमरीका के रिश्तों में बीते 16 माह के दौरान उतार-चढ़ाव आते रहे हैं, अमरीकी राष्ट्रपति ने भारत को ‘डेड इकोनॉमी’ करार दिया है। भारत की तुलना नरक से की है और भारत पर 50 फीसदी टैरिफ भी थोपा है। वे बयान मानसिकता के किसी झोंके में कहे गए होंगे, लेकिन हकीकत यह है कि दोनों देश आपस में पूरक हैं। जहां तक रक्षा-सहयोग का संदर्भ है, तो भारत रूस से 40 फीसदी और फ्रांस से करीब 29 फीसदी और इजरायल से 15-16 फीसदी खरीदता है। इस सूची में अमरीका लगभग गायब है, जबकि वह दुनिया में हथियारों का सबसे बड़ा, करीब 42 फीसदी, सप्लायर है। संभवत: यह यथार्थ राष्ट्रपति ट्रंप को परेशान करता होगा! शायद इसीलिए भी ट्रंप ने रूस से कच्चा तेल खरीदने की इजाजत भारत को दी है। बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत के साथ ‘व्यापार समझौते’ की उम्मीद जताई और प्रधानमंत्री मोदी के साथ बातचीत को ‘सार्थक’ करार दिया।

युद्ध-प्रेमी और जनसंहारी इज़राइल पर लगाम ज़रूरी

तनवीर जाफ़री

अमेरिका -ईरान के मध्य फ़िलहाल युद्धविराम हो चुका है। घोर अविश्वास के बीच हुआ यह युद्ध विराम कब तक चलेगा कुछ कहा नहीं जा सकता। परन्तु ईमानदाराना युद्ध विराम लागू होने की स्थिति में हारमूज़ स्ट्रेट जलमार्ग के खुलने से पूरे विश्व पर मंडराने वाले संकट के बादल छंटने से पूरी दुनिया ज़रूर राहत की सांस लेगी। हाँ यदि कोई एक देश इस युद्ध विराम व शांति से ख़ुश नहीं है वह है इकलौता देश इस्राईल। इस्राईल विगत लगभग 50 वर्षों से फ़िलिस्तीन व लेबनान क्षेत्र में रक्तपात करता आ रहा है। अब तक लाखों बेगुनाह लोगों की हत्यायें कर चुका इस्राईल मात्र अपनी सीमाओं के विस्तार के लिये रक्तपात करता आ रहा है। निश्चित रूप से इस्राईल की इस आक्रामकता के पीछे शुरू से ही अमेरिका व अन्य कई पश्चिमी देशों का संरक्षण मुख्य कारण रहा है। परन्तु अब अमेरिका भी इस्राइल विशेषकर प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की अनियंत्रित आक्रामकता से तंग आ चुका है। ग़ज़ा नरसंहार के चलते अंतर्राष्ट्रीय अदालत के वारंट का सामना कर रहे प्रधानमंत्री नेतन्याहू अब अपने संरक्षक अमेरिका से भी आये दिन झिड़कियां खा रहे हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि केवल अमेरिका की सरपरस्ती के चलते परन्तु अमेरिका की इच्छा के विपरीत इस्राइल अनेक बार लेबनान व ग़ज़ा में युद्ध विराम का उललंघन करता आ रहा है। इसकी वजह से कई बार शांति की संभावनाओं को पलीता लग चुका है। अमेरिका के राजनैतिक हल्क़ों में इस बात की भी चर्चा ज़ोरों पर है कि नेतन्याहू ने ही राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप को उकसा व भड़काकर तथा ग़लत जानकारियां देकर ईरान के साथ युद्ध में झोंक दिया। जिसके परिणामस्वरूप न केवल अमेरिका में इसका भारी विरोध हुआ बल्कि कई उच्चाधिकारी यही कहते हुये इस्तीफ़ा भी दे गये कि वे अमेरिकी हितों की रक्षा के लिये तो युद्ध कर सकते हैं परन्तु इस्राइली हितों के लिये हरगिज़ नहीं।

यही वजह है कि अब राष्टपति ट्रंप भी अब इंसानी ख़ून के प्यासे नेतन्याहू की शातिराना चालबाज़ियों को देर से ही सही, परन्तु भांप चुके हैं। पिछले दिनों अमेरिका -इस्राईल बनाम ईरान युद्ध में उलझ चुका अमेरिका जब जब इस युद्ध से बाहर निकलने की कोशिश करता है , तब तब इस्राईल कभी युद्ध विराम का उल्लंघन व अवहेलना कर तो कभी युद्ध विराम को अस्वीकार कर विश्वशांति को धक्का पहुँचाता रहा है। हद तो यह है कि अमेरिका- ईरान के मध्य होने वाली शांति वार्ताओं से ठीक पहले या उसी दौरान इस्राइल द्वारा क़तर की राजधानी दोहा में हमास के वार्ताकारों के दल को निशाना बनाकर हवाई हमला किया गया। इस हमले में हमास के वार्ताकारों के 6 सदस्य मारे गए थे। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेश ने इस हमले की निंदा करते हुये इसे क़तर की सम्प्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता का खुला उल्लंघन क़रार दिया था।

और अब इस्राइली युद्धोन्माद इस हद तक पहुँच

चुका है कि दुनिया में सबसे अधिक युद्धरत रहने वाला अमेरिका भी इस्राइली आक्रामकता पूर्ण रवैये से तंग आकर नेतन्याहू व इस्राईली आक्रामकता के पक्षधर कट्टरपंथी नेतृत्व को न केवल आइना दिखने लगा है बल्कि उसके लिये ऐसी शब्दावली का इस्तेमाल कर रहा है जोकि किसी भी स्वाभिमानी प्रधानमंत्री व उस के देश के लिये शर्म की बात है। इन कड़वे व तल्ख़ बयानों के आधार पर कहा जा सकता है कि 2026 में अमेरिका- इस्राईल रिश्ते न केवल ठन्डे पड़ रहे हैं बल्कि दोनों देशों के संबंध इस वक़्त के सबसे ख़राब दौर से भी गुज़र रहे हैं । उदाहरण के तौर पर पिछले दिनों ल-7 समिट के मंच से राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप ने नेतन्याहू को क्रेज़ी कहा और दावा किया- मेरे बिना इस्राईल का अस्तित्व नहीं होता। ट्रंप ने नेतन्याहू से कहा तुम पागल हो। अगर मैं नहीं होता तो तुम जेल में होते। इसी तरह अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने गत 18 जून को ईरान-अमेरिका स्ब्ष साइन होने के बाद नेतन्याहू व इस्राईल को संबोधित करते हुये कहा कि पूरी दुनिया में अमेरिका तुम्हारा इकलौता दोस्त बचा है, तुम उसी के ख़िलाफ़ खड़े हो? वेंस का यह बयान ईरान-अमेरिका डील होने के बावजूद इस्राईल द्वारा लेबनान पर किये गये हमले के सन्दर्भ में था जिससे ईरान-अमेरिका डील पर असर पड़ा था और हारमूज़ स्ट्रेट खुलने के बाद ईरान द्वारा इसे पुन: बंद करने की घोषणा कर दी गयी थी। अब 20 जून को पुन: ईरान के ख़ातम अल-अंबिया मुख्यालय ने घोषणा की है कि होर्मुज़ स्ट्रेट को जहाज़ों के लिए बंद किया जा रहा है। इस घोषणा के पीछे भी दक्षिणी लेबनान में इस्राईल की ओर से लगातार युद्धविराम का उल्लंघन और लेबनान के लोगों का क्रूर जनसंहार और विस्थापन को कारण बताया गया है। ग़ौरतलब है कि इस्राईल के कुछ कट्टरपंथी मंत्रियों ने अमेरिका-ईरान के बीच हुये स्ब्ष (संयुक्त समझौता) का खुलकर विरोध किया है और कट्टरपंथियों का नेतृत्व करने वाले नेतन्याहू भी इस समझौते से क़तई ख़ुश नहीं हैं ।

इसी बीच नेतन्याहू के लिये एक बार फिर बुरी ख़बर आ रही है। उनपर उनके अपने ही देश में भ्रष्टाचार के मामले को लेकर जेल जाने के तो आसार नज़र आ ही रहे हैं साथ ही पांच नॉर्डिक देशों, डेनमार्क, फ़िनलैंड, आइसलैंड, नॉर्वे और स्वीडन ने भी संकेत दिया है कि उन्हें इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट के सदस्य के तौर पर नेतन्याहू के विरुद्ध जारी ICC के अरेस्ट वारंट पर कार्रवाई करनी होगी। ICC ने नवंबर 2024 में ग़ज़ा संघर्ष से जुड़े कथित युद्ध अपराधों और मानवता के ख़िलाफ़ अपराधों के लिए इस्राईल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और पूर्व रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के लिए वारंट जारी किए थे। नॉर्वे ने तो साफ़ तौर पर कहा है कि अगर कोई वॉन्टेड व्यक्ति देश में आता है तो उसे अपने क़ानून का पालन करना होगा। परन्तु इन बातों से बेफ़िक्र नज़र आ रहा नेतन्याहू व इस्राइल किस हद तक अनियंत्रित हो गया है कि 1948 में इस्राईल की स्थापना के बाद उसे मान्यता देने वाला पहला देश अमेरिका, जिसके साथ शुरू से ही उसके गहरे रिश्ते रहे,आज वही अमेरिका इस्राइल की आक्रामकता व ग़ैर क़ानूनी सैन्य कार्रवाइयों से इतना दुखी हो गया है कि दोनों देशों के संबंधों में इतिहास में पहली बार कड़वाहट पैदा होती दिखाई दे रही है लिहाज़ा मानवता की रक्षा के लिये किसी भी क़ीमत पर और यथा शीघ्र युद्ध-प्रेमी और जनसंहारी इज़राइल पर लगाम लगाना बेहद ज़रूरी है।

छात्रों के हित में है त्रिभाषा फार्मूला

प्रो. निरंजन कुमार

भाषा केवल संप्रेषण का माध्यम भर नहीं होती, इसका एक समाजशास्त्र और अर्थशास्त्र भी होता है। खासतौर से जब भाषा का परिप्रेक्ष्य शिक्षा के संदर्भ में हो तो भाषा अपने समाजशास्त्र और आर्थिकी से आगे बढ़कर राष्ट्रनिर्माण की प्रक्रिया से भी जुड़ जाती है। पिछले दिनों देश में सीबीएसई के स्कूलों में त्रिभाषा फार्मूले को लागू करने की योजना की घोषणा को इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए। यह अलग बात है कि इस मुद्दे पर पूरे देश में एक विवाद खड़ा कर दिया गया है। यह संतोषजनक है कि सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के निर्णय पर रोक नहीं लगाई।

भारत के प्रमुख स्कूली शिक्षा बोर्ड ‘केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड’ (सीबीएसई) ने हाल में निर्णय लिया कि अकादमिक सत्र 2026-2027 से छठी और नवीं कक्षा से त्रिभाषा सूत्र को लागू किया जाए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में त्रिभाषा सूत्र की अनुशंसा है। इसके अनुसार स्कूली स्तर पर तीन भाषाएं पढ़ाई जाएंगी, जिसमें कम से कम दो भारतीय भाषाएं होंगी। पहले भी एनईपी 1968 और एनईपी 1986 आदि में थोड़े से भिन्न रूप में त्रिभाषा फार्मूला अपनाया गया था। एकाध को छोड़कर सभी राज्यों ने त्रिभाषा सूत्र को लागू किया, लेकिन दुर्भाग्य से सीबीएसई ने त्रिभाषा फार्मूले को आंशिक रूप से ही स्वीकारा था। सीबीएसई स्कूलों में छठी से आठवीं तक त्रिभाषा सूत्र लागू तो था, लेकिन तीसरी भाषा के तौर पर विदेशी भाषाओं की भी छूट थी, फिर नवीं और दसवीं में तो सीबीएसई ने सिर्फ द्विभाषा नीति ही अपनाई थी। उसमें भी छूट यहां तक कि स्कूल चाहें तो दोनों ही भाषाएं कोई गैर-भारतीय भाषा हो सकती थीं। इसका दुष्परिणाम हुआ कि महंगे पब्लिक स्कूलों में भारतीय भाषाओं को उपेक्षित किया जाने लगा। सीबीएसई की इन नीतियों से कई विसंगतियां पैदा हो गई थीं।

विरोधियों द्वारा फैलाई जा रही सूचनाएं तथ्यहीन एवं भ्रामक हैं। विरोध का एक कारण अंग्रेजी-शिक्षित आभिजात्य वर्ग की औपनिवेशिक दौर की मैकाले मानसिकता भी है। एक अध्ययन के अनुसार तीसरी भाषा के रूप में विदेशी भाषाओं की पढ़ाई केवल एक प्रतिशत शहरी विद्यार्थी ही कर रहे हैं। भारतीय भाषाओं के अध्ययन की अनिवार्यता का विरोध इन्हीं के आभिजात्य अभिभावकों द्वारा किया जा रहा है। नए दिशानिर्देशों के विरोध में ये लोग भाषा शिक्षकों की कमी, पाठ्यपुस्तकों का अभाव, छात्रों पर अतिरिक्त बोझ और तनाव, पहले से विदेशी भाषाओं का अध्ययन कर रहे छात्रों की असुविधा आदि तर्क दे रहे हैं। ध्यान रहे कि सीबीएसई/एनसीईआरटी द्वारा कक्षा छह के लिए सभी 22 अनुसूचित भाषाओं में पाठ्यपुस्तकें लगभग तैयार हैं। नवीं कक्षा में त्रिभाषा नीति 1 जुलाई, 2026 से लागू होगी। इसके लिए 19 अनुसूचित भाषाओं की पाठ्यपुस्तकें शीघ्र उपलब्ध कराई जाएंगी। अन्य भारतीय भाषाओं के लिए इस वर्ष एनसीईआरटी की पुस्तकों का उपयोग कर सकेंगे। शिक्षकों के लिए नए अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति से लेकर आनलाइन पद्धति में अन्य स्कूलों से सहयोग कर शिक्षण कार्य असंभव नहीं। केवल एक और भारतीय भाषा की पढ़ाई को अतिरिक्त बोझ बताना, सही समझ का अभाव है। विभिन्न राज्यों में पहले से ही तीन भाषाएं पढ़ाई जा रही हैं। पहले से विदेशी भाषाएं पढ़ रहे छात्रों की सुविधा के लिए वर्तमान में तीसरी भाषा का पाठ्यक्रम हल्का रखा जाएगा। तीसरी भाषा के लिए यह छूट भी है कि दसवीं में इसकी बोर्ड परीक्षा नहीं होगी। यही नहीं, कोई छात्र अंग्रेजी के अलावा कोई दूसरी विदेशी भाषा भी सीखना चाहे तो इसका भी अवसर प्राप्त होगा। बड़े सुधारों में प्रारंभ में कुछ चुनौतियां आना स्वाभाविक हैं, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि त्रिभाषा नीति को सही रूप से लागू करना देश और बच्चों, दोनों के हित में है।

(लेखक दिल्ली विश्वविद्यालय में भारतीय भाषा समिति के अध्यक्ष और सीनियर प्रोफेसर हैं)

शांति समझौते का भविष्य

आदित्य नारायण चौपड़ा

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

अमेरिका और ईरान के बीच हुए शांति समझौते का भविष्य 48 घंटों के भीतर ही खतरे में पड़ता दिखाई दिया। इजराइल के लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर लगातार हमलों से क्रुद्ध ईरान ने स्विट्जरलैंड में होने वाली पहले ही दौर की शांति वार्ता में भाग लेने से इंकार कर दिया और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से बंद कर दिया। होर्मुज बंद होने के बाद इस तरह की खबरें आ रही हैं कि इजराइल और लेबनान में युद्ध विराम लागू हो गया है लेकिन इजराइल ने रातभर लेबनान पर हमले जारी रखे। अमेरिका और ईरान में समझौता शांति और स्थिरता की कठिन राह पर पहला कदम है लेकिन इजराइल इस समझौते को स्वीकार करने को तैयार नहीं है। इसका बड़ा कारण यह है कि सभी पक्षों में भरोसे की कमी है। क्या अमेरिका ने इजराइल को विश्वास में नहीं लिया था डोनाल्ड ट्रम्प ने निर्धारित कार्यक्रम से एक दिन पहले ही हस्ताक्षर कर युद्ध से पीछा छुड़ा लिया है।

पश्चिम एशिया में अगर शांति की बजाय विध्वंस फिर से शुरू हुआ तो न केवल अमेरिका बल्कि पूरी दुनिया के लिए बड़ा संकट खड़ा हो जाएगा। अमेरिका और इजराइल न ईरान में सत्ता परिवर्तन करा सके और न ही उसकी परमाणु और मिसाइल क्षमताओं को पूरी तरह नष्ट कर पाए। अमेरिका ने जिन लक्ष्यों को लेकर युद्ध शुरू किया था, 108 दिन बाद उसकी प्राथमिकताएं बदल चुकी हैं। अब शांति समझौते का लक्ष्य होर्मुज को खुलवाना और अपनी नाकेबंदी हटाना तथा ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर बातचीत करना रहा। परायी जंग में खाड़ी देश भी अपने हाथ जलाने को तैयार नहीं हैं। अमेरिका को स्वयं खरबों का नुक्सान हो चुका है। इजराइल की आपत्ति के बावजूद ट्रम्प ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर कर कूटनीतिक दृष्टिकोण अपनाया लेकिन नेतन्याहू समझौते को पलीता लगाने में तुले हुए हैं।

ईरान ने होर्मुज जलमार्ग खोलने पर सहमति जता दी थी और तेल टैंकर निकलने भी शुरू हो गए थे लेकिन इजराइली हमलों ने फिर तनाव पैदा कर दिया। ईरान के इस मार्ग की निगरानी का प्रभार सम्भाल रहे प्राधिकरण ने नए दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं, जिसमें सभी जहाज संचालकों को अपना पंजीकरण कराने को कहा गया है। इससे यह आशंका बढ़ गई है कि ईरान जहाजों से टोल वसूली की व्यवस्था शुरू कर सकता है। अगर ऐसा होता है तो तेल और गैस परिवहन की लागत बढ़ जाएगी। अब ट्रम्प नेतन्याहू पर दबाव बना रहे हैं और उनका दबाव काम कर रहा है। दावा तो यही किया जा रहा है कि इजराइल अब लेबनान पर हमले नहीं करने को लेकर मान गया है। ट्रम्प नेतन्याहू को इस बात का अहसास दिला रहे हैं कि अमेरिकी समर्थन के बिना इजराइल कुछ भी नहीं। यह बात काफी हद तक सही भी है। अमेरिका के उपराष्टपति जेडी वेंस शांति समझौते की आलोचना कर रहे हैं। इजराइली कैबिनेट मंत्रियों कोफटकार भी लगाई है। वेंस ने तो यहां तक कह डाला कि इजराइल को दिए गएहथियारों में से दो-तिहाई अमेरिकी टैक्स पेयर्स के पैसों से बनाए और फंडकिए गए हैं।

अमेरिका की गलती यही थी कि उन्होंने (इज़राइल की तरह) यह मान लिया था कि ईरानी परमाणु मुद्दे का सैन्य समाधान संभव है। वाशिंगटन ने ईरान के संकल्प, रणनीतिक गहराई और भौगोलिक लाभों को कम करके आंका। जैसा कि हेनरी किसिंजर ने कहा था, गुरिल्ला तभी जीतता है जब वह हारता नहीं है। ईरान ने यह युद्ध न हारकर जीता, जबकि सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में विफल रहने के कारण हार गया। परमाणु वार्ता फिर से शुरू होने वाली है, ऐसे में श्री ट्रम्प आज उस स्थिति से कमजोर हैं जो बराक ओबामा की 2013-15 में ईरान के साथ वार्ता के दौरान थी। फिर भी, वार्ता के माध्यम से समाधान की संभावना अभी भी बनी हुई है क्योंकि ईरान को दीर्घकालिक आर्थिक राहत की तत्काल आवश्यकता है। हालांकि, एक संभावित बाधक इज़राइल हो सकता है, जिसने कहा है कि वह कब्जे वाले दक्षिणी लेबनान से पीछे नहीं हटेगा। ईरान और अमेरिका को अपने-अपने सहयोगी हिजबुल्लाह और इज़राइल पर लगाम लगानी चाहिए। तेहरान को इस प्रकिया में विश्वास जगाने के लिए भी कदम उठाने चाहिए।

इजराइल को यह बात समझनी होगी कि सिर्फ लोगों को मार कर ही वह अपनी सुरक्षा नहीं कर सकता। अमेरिका में भी समीकरण बदल रहे हैं। अमेरिका और दुनियाभर में उसके कई दोस्तों के बीच उसके प्रति नाराजगी और अस्वीकृति बढ़ी है। इजराइल ने गाजा में जो नरसंहार किया है उसको लेकर भी काफी आक्रोश है। शांति समझौता सभी पक्षों के लिए एक दुर्लभ मौका है कि वे शांतिपूर्ण सहअस्तित्व के लिए हार और जीत की तलाश बंद करें और अगले 60 दिनों में लगातार वार्ता कर उसे अंजाम तक पहुंचाएं। इसके लिए जरूरी है कि अमेरिका नेतन्याहू पर नकेल डाले। अगर इजराइल शांति समझौते का सम्मान नहीं करता तो भविष्य की राह आसान नहीं होगी और दुनिया कोबड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

ऐसे हों लोक सेवकः पद नहीं, सेवा और सत्यनिष्ठा हो पहचान; राष्ट्र पहले की भावना से ही मजबूत होगा सुशासन का आधार

डॉ. देवेश चतुर्वेदी

सदियों पहले लिखे गए हमारे पवित्र ग्रंथ हमें नैतिक मूल्यों के बारे में एक मूल्यवान दृष्टिकोण देते हैं। जैसे-जैसे हम अमृत काल और माननीय प्रधानमंत्री के विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को पूरा करने की ओर आगे बढ़ रहे हैं, वैसे-वैसे ये नैतिक मूल्य और भी ज्यादा प्रासंगिक लगने लगे हैं। वे मार्गदर्शन करते हैं कि आज के सिविल सेवकों को सामान्य जीवन में कैसा व्यवहार करना है।

प्राचीन समय में यज्ञ करने का उद्देश्य समाज में दिव्यता और अच्छाई फैलाना था। शैतान इसमें रुकावट डालने की कोशिश करते थे। आज के युग में, सुशासन की स्थापना और आतंकवाद, भ्रष्टाचार या अपराधीकरण के खिलाफ लड़ाई भी एक यज्ञ की तरह ही है। इस यज्ञ को सरकार के अंदर और बाहर के लोग बड़े पैमाने पर भलाई के लिए कर रहे हैं, जिनमें राजनीतिक नेतृत्व, लोक सेवक, न्याय प्रणाली, सिविल सोसाइटी, मीडिया और आम नागरिक शामिल हैं। पर, शैतानी सोच रखने वाले कुछ लोग इसमें विघ्न डालने की कोशिश करेंगे। अच्छाई बनाम बुराई की यह लड़ाई सदियों से चली आ रही है। एकजुट होकर ही बुराई पर सच्चाई की जीत सुनिश्चित होगी। प्रशासनिक सेवकों के कॅरिअर में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। उन्हें कम महत्वपूर्ण पदों पर भी तैनात किया जा सकता है। अगर, ऐसे बदलाव उनके हौसले पर असर डालने लगें, तो शायद वे अपने मूल्यों से समझौता करने लगें। पर, समझदारी यह है कि उन्हें नए दायित्वों का निर्वहन पूरे जोश व कर्मठता के साथ करते हुए अपनी कार्यशैली की छाप छोड़नी चाहिए। वहीं, महत्वपूर्ण या शक्तिशाली पदों पर तैनात प्रशासनिक सेवक को अहंकार नहीं करना चाहिए और हर स्थिति में विनम्र बने रहना चाहिए। सिविल सेवकों को महंगे उपहार या शानदार आतिथ्य लेने से पहले, उसके उद्देश्य को समझना होगा। आचरण नियमावली तय करती है कि क्या ग्रहण किया जा सकता है और क्या नहीं, फिर भी दो नैतिक प्रश्नों पर ध्यान देना होगा। पहला, क्या इस मेहमाननवाजी या महंगे उपहार देने के पीछे कोई छिपी हुई बदनीयती या निजी स्वार्थ है? और दूसरा, क्या उन्हें ग्रहण करने से कामों में निष्पक्षता या ईमानदारी पर कोई असर पड़ेगा? अगर दोनों में से किसी भी सवाल का जवाब हां है, तो ऐसी सेवाएं या वस्तुएं ग्रहण करने से बचना ही सही है।

प्रशासनिक नेतृत्वकर्ता के तौर पर, हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने उन अधीनस्थों और अन्य हितधारकों का हौसला बढ़ाएं, जो पूर्ण समर्पण और सत्यनिष्ठा के साथ काम कर रहे हैं। इससे ईमानदारी व सच्चाई के मार्ग पर चलते रहने के लिए उन्हें प्रोत्साहन मिलता है। इससे ऐसा माहौल बनेगा, जहां नई पीढ़ी इन अधिकारियों से प्रेरणा ले सके। ‘राष्ट पहले’ के आदर्श को लोक सेवकों से अपने कामों में अपनाने की अपेक्षा की जाती है । अत:, एक सिविल सेवक को अपने पद से जुड़े दायित्वों के निर्वहन के प्रति पूर्ण समर्पित होना चाहिए, परंतु इससे जुड़ी सुविधाओं तथा पद के प्रति निर्लिप्त रहना होगा।

-लेखक सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी हैं।

पीओके में फिर से अशांति की स्थिति

अजीत कुमार सिंह

इस समय, पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर (पीओके) में अशांत स्थिति है। एक बार फिर, गंभीर अशांति फैली हुई है और अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों और विपक्षी नेताओं पर व्यापक कार्रवाई शुरू कर दी है, साथ ही सरकार पर अत्यधिक बल प्रयोग के गंभीर आरोप भी लग रहे हैं। क्षेत्र के अधिकांश हिस्सों में इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं, जिससे यह इलाका लगभग अलग-थलग पड़ गया है, जबकि प्रशासन ने कथित तौर पर संघीय सरकार से 14,000 अतिरिक्त कर्मियों की मांग की है। बिगड़ती स्थिति को देखते हुए स्थानीय अधिकारियों ने 5 से 20 जून के बीच पर्यटन को हतोत्साहित करने का निर्देश दिया है। इस्लामाबाद स्थित अमेरिकी दूतावास ने भी जम्मू-कश्मीर में अपने नागरिकों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। नवीनतम हिंसा 7 जून, 2026 को भड़की, जब सुरक्षा बलों (एसएफ) और संयुक्त अवामी कार्रवाई समिति (जेएएसी) के समर्थकों के बीच झड़पों में कम से कम 12 लोग मारे गए, जिनमें आठ नागरिक और चार पुलिसकर्मी शामिल थे। कम से कम 73 अन्य लोग - 23 एसएफ कर्मी और 50 नागरिक - घायल हुए।

अधिकारियों का दावा है कि जम्मू-कश्मीर के सर्वोच्च न्यायालय के उस फैसले के बाद हिंसक भीड़ ने एक अस्पताल पर हमला कर दिया, जिसमें पाकिस्तान में रह रहे जम्मू-कश्मीर (जम्मू-कश्मीर) के शरणार्थियों के लिए आरक्षित 12 विधायी सीटों के संवैधानिक दर्जे को बरकरार रखा गया था। आधिकारिक बयानों के अनुसार, सुरक्षा बलों के पहुंचने से पहले चार पुलिस अधिकारी और एक राहगीर मारे गए, जिसके बाद छह प्रदर्शनकारी भी मारे गए।

हालांकि, प्रदर्शनकारियों का तर्क है कि हिंसा तब शुरू हुई जब जेएएसी समर्थक एक अस्पताल के मुर्दाघर के बाहर जमा हुए, जहां कार्यकर्ता शाहज़ैब हबीब का शव रखा गया था, जिसे कथित तौर पर पहले सुरक्षा बलों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। उनका कहना है कि इसके बाद सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाया।

मौजूदा अशांति सितंबर और अक्टूबर 2025 में हुए इसी तरह के विरोध प्रदर्शनों के बाद हुई है, जिनमें 10 से अधिक लोग मारे गए और 100 से अधिक घायल हुए थे। उन अशांतियों के परिणामस्वरूप अंतत: संघीय सरकार, पीओजेके प्रशासन और जेएएसी प्रतिनिधियों के बीच मुजफ्फरबाद

समझौते पर हस्ताक्षर हुए, जिसे 4 अक्टूबर समझौते के नाम से भी जाना जाता है।

समझौते में मुआवज़ा, शासन सुधार, आर्थिक राहत उपाय और राजनीतिक प्रतिबद्धताएं शामिल थीं। 2025 के विरोध प्रदर्शनों के दौरान मारे गए लोगों के परिवारों को कानून प्रवर्तन कर्मियों को दिए गए मुआवज़े के बराबर मुआवज़ा देने का वादा किया गया था, जबकि गोलीबारी में घायल हुए लोगों को भी मुआवज़ा दिया जाना था।उन्हें 10 लाख पीकेआर दिए जाने थे। मृतकों के परिवारों के लिए सरकारी नौकरियां, बड़ी घटनाओं की न्यायिक जांच और हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई भी इसमें शामिल थी। आर्थिक उपायों में बिजली के बुनियादी ढांचे के लिए 10 अरब पीकेआर, गेहूं और बिजली पर सब्सिडी जारी रखना और कर सुधार शामिल थे। समझौते में स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और बुनियादी ढांचे में सुधार और 12 शरणार्थी शिविरों की स्थिति की जांच के लिए एक समिति के गठन का भी प्रस्ताव था। हालांकि अधिकारियों ने बाद में दावा किया कि जेएएसी की 38 मांगों में से 36 को स्वीकार कर लिया गया था, लेकिन संगठन ने उन दावों को खारिज कर दिया और 31 मई, 2026 को 9 जून, 2026 से शुरू होने वाली अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा की। इसी बीच, 5 जून को सरकार द्वारा सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए जेएएसी पर प्रतिबंध लगाने के बाद तनाव और बढ़ गया। इसके बाद कई सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया।

वर्तमान आंदोलन के केंद्र में जेएएसी की यह मांग है कि जम्मू-कश्मीर की 53 सदस्यीय विधानसभा में उन 12 सीटों को समाप्त किया जाए जो 1947 और 1965 के बाद पाकिस्तान में बसे जम्मू-कश्मीर के शरणार्थियों के लिए आरक्षित हैं। जेएएसी का तर्क है कि इन सीटों के कारण मुख्यधारा की पाकिस्तानी राजनीतिक पार्टियां जम्मू-कश्मीर में सरकार गठन को प्रभावित कर सकती हैं और स्थानीय राजनीतिक प्रतिनिधित्व को कमजोर कर सकती हैं। कई प्रदर्शनकारियों के लिए, यह मुद्दा अधिक स्वायत्तता और स्थानीय नियंत्रण की मांगों का पर्याय बन गया है।

सर्वोच्च न्यायालय के उस फैसले के बाद विवाद और भी गंभीर हो गया जिसमें कहा गया कि आरक्षित सीटें संवैधानिक रूप से संरक्षित हैं और संवैधानिक संशोधन के बिना इन्हें समाप्त नहीं किया जा सकता। इस फैसले ने विवाद को सुलझाने के एक रास्ते को प्रभावी रूप से बंद कर दिया और मौजूदा तनाव को और बढ़ा दिया। वर्तमान आंदोलन जम्मू-कश्मीर में जन आंदोलन के स्वरूप में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है। जेएएसी शुरू में आर्थिक शिकायतों, विशेष रूप से बिजली की बढ़ती दरों, मुद्रास्फीति और शासन की विफलताओं पर केंद्रित एक मंच के रूप में उभरा था। इन आंदोलनों का मूल कारण आर्थिक चिंताएं थीं,नवीनतम आंदोलन तेजी से राजनीतिक प्रतिनिधित्व और क्षेत्रीय मामलों पर इस्लामाबाद के प्रभाव पर केंद्रित हो गया है।

ये शिकायतें लंबे समय से चली आ रही संरचनात्मक समस्याओं से जुड़ी हैं। 1947 में पाकिस्तान द्वारा इस क्षेत्र पर नियंत्रण करने के बाद से, जम्मू-कश्मीर में स्वायत्तता, शासन, संसाधन आवंटन और संवैधानिक अधिकारों को लेकर समय-समय पर विरोध प्रदर्शन होते रहे हैं। आज़ाद कश्मीर के रूप में प्रचारित किए जाने के बावजूद, कई निवासियों का तर्क है कि राजनीतिक और प्रशासनिक निर्णय लेने की प्रक्रिया पर इस्लामाबाद का भारी नियंत्रण बना हुआ है। यहाँ इनविरोध प्रदर्शनों की पुनरावृत्ति अनसुलझी राजनीतिक और आर्थिक चुनौतियों को दर्शाती है। उच्च बेरोजगारी, अपर्याप्त सार्वजनिक सेवाएं, ऊर्जा की कमी और राजनीतिक रूप से हाशिए पर होने की धारणाएं जनता के असंतोष को लगातार बढ़ा रही हैं। हालांकि पिछले आंदोलनों के परिणामस्वरूप आंशिक रियायतें मिलीं, लेकिन किसी ने भी शासन व्यवस्था में मौलिक परिवर्तन नहीं किया है, जिसे कई प्रदर्शनकारी अपनी शिकायतों का मूल कारण मानते हैं। 27 जुलाई, 2026 को होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले स्थिति तनावपूर्ण रहने की संभावना है। JAAC ने संकेत दिया है कि वह प्रतिबंध के बावजूद अपना अभियान जारी रखने का इरादा रखती है, जबकि अधिकारी बड़े पैमाने पर लामबंदी को रोकने के लिए दृढ़ संकल्पित प्रतीत होते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रिया अब तक सीमित रही है, लेकिन ध्यान देने योग्य है। ब्रिटिश सांसदों के एक समूह ने दमन, कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी और संचार प्रतिबंधों को लेकर चिंता व्यक्त की है। इस्लामाबाद ने इस आलोचना को अपने आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप बताकर खारिज कर दिया है।

हालिया अशांति ने जम्मू-कश्मीर में शासन की लगातार विफलताओं को उजागर किया है और दशकों से चले आ रहे अनसुलझे राजनीतिक विरोधाभासों की ओर नए सिरे से ध्यान आकर्षित किया है। जनता की मांगें तेजी से राजनीतिक जवाबदेही, प्रतिनिधित्व और स्थानीय नियंत्रण पर केंद्रित हो रही हैं। जब तक इन मुद्दों को सार्थक सुधारों के माध्यम से हल नहीं किया जाता, विरोध और राज्य दमन का यह चक्र जारी रहने की संभावना है।

लेखक-संघर्ष प्रबंधन संस्थान में वरिष्ठ फेलो

जुलाई के पहले सप्ताह में आ सकती है टीम

स्वच्छता सर्वेक्षण : 10,500 अंकों की परीक्षा पूरी, अब 2 हजार अंकों के गार्बेज फ्री सिटी सर्वे की तैयारी तेज

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 के पहले चरण का मैदानी सर्वे पूरा हो गया है। केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय की ओर से नियुक्त एजेंसी की टीम ने शहर के सभी 66 वार्डों सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थलों का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था, नागरिक सुविधाओं और लोगों के फीडबैक का आकलन किया। अब नगर निगम की नजर दूसरे चरण पर है, जिसमें गार्बेज फ्री सिटी (जीएफसी) सर्टिफिकेशन के लिए 2 हजार अंकों का सर्वे होना है। इसे देखते हुए निगम ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से जुड़े सभी व्यवस्थागत पहलुओं को और बेहतर बनाने की तैयारी शुरू कर दी है।

स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 में इस बार कुल 12,500 अंक निर्धारित किए गए हैं। इनमें से 10,500 अंकों का पहले चरण का सर्वे पूरा हो चुका है। अब शेष 2,000 अंक गार्बेज फ्री सिटी सर्टिफिकेशन के लिए निर्धारित हैं। हालांकि दूसरे और तीसरे चरण की तारीखों की आधिकारिक घोषणा अभी नहीं हुई है, लेकिन निगम स्तर पर माना जा रहा है कि जून के अंतिम सप्ताह या जुलाई के पहले सप्ताह में इन चरणों का सर्वे शुरू हो सकता है। इसी संभावना को देखते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक तैयारियां पूरी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

नागरिकों के फीडबैक पर भी रहा फोकस

पहले चरण में केवल सफाई व्यवस्था ही नहीं, बल्कि नागरिकों की भागीदारी और संतुष्टि को भी प्रमुखता दी गई। टीम ने विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों से शहर की सफाई, कचरा संग्रहण, डोर-टू-डोर कलेक्शन और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर फीडबैक लिया। इसके अलावा शहर में विकसित किए गए आरआरआर (रिड्यूस, रीयूज, रीसायकल) सेंटर, वेस्ट टू वंडर कलाकृतियों और सार्वजनिक स्थलों की स्थिति का भी मूल्यांकन किया गया।

13 दिन तक चला मैदानी निरीक्षण

स्वच्छता सर्वेक्षण के पहले चरण के लिए केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय द्वारा नियुक्त छह सदस्यीय टीम 23 मई को ग्वालियर पहुंची थी। टीम ने करीब 13 दिनों तक शहर के विभिन्न हिस्सों का दौरा किया और निर्धारित मानकों के अनुसार सफाई व्यवस्था का आकलन किया। इस दौरान टीम ने विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर वास्तविक स्थिति देखी और मोबाइल एप के माध्यम से लाइव फोटो एवं अन्य जानकारियां सीधे दिल्ली स्थित पोर्टल पर अपलोड कीं। जहां आवश्यकता महसूस हुई, वहां दोबारा निरीक्षण भी किया गया। सभी आंकड़ों के संकलन के बाद 5 जून को पहले चरण का सर्वे पूरा कर लिया गया है।

अब ठोस कचरा प्रबंधन की होगी जांच

दूसरे चरण में गार्बेज फ्री सिटी सर्टिफिकेशन के तहत नगर निगम की ठोस कचरा प्रबंधन व्यवस्था का विस्तृत निरीक्षण किया जाएगा। इसमें घर-घर से कचरा संग्रहण करने वाली गाड़ियों की कार्यप्रणाली, कचरे का पृथक्करण, ट्रांसफर स्टेशन, कचरा प्रसंस्करण एवं निस्तारण केंद्र, बल्क वेस्ट जनरेटर, व्यावसायिक संस्थानों द्वारा कचरा प्रबंधन और संपूर्ण चेन का परीक्षण किया जाएगा। इस चरण में यह भी देखा जाएगा कि कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण किया जा रहा है या नहीं तथा निर्धारित मानकों का पालन किस स्तर तक हो रहा है।

परिणाम की तारीख तय नहीं, तैयारियां जारी

स्वच्छता सर्वेक्षण के परिणाम कब घोषित होंगे, इसे लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है। पिछले वर्ष सर्वे का परिणाम 16 जुलाई को जारी किया गया था, जबकि उससे पहले एक वर्ष परिणाम 2 अक्टूबर को घोषित हुए थे। ऐसे में इस बार भी परिणाम की तारीख को लेकर स्पष्टता नहीं है, लेकिन नगर निगम अभी से अगले चरणों की तैयारियों में जुट गया है, ताकि सर्वे के दौरान बेहतर प्रदर्शन किया जा सके।

1,500 बल्क वेस्ट जनरेटरों का सर्वे होगा

अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव ने शहर में बल्क वेस्ट जनरेटर (बीडब्ल्यूजी) सर्वेक्षण कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं एजेंसी प्रतिनिधियों को 30 जून तक सर्वे कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। शहर में लगभग 1,500 बल्क वेस्ट जनरेटरों का सर्वे किया जाना है।

इन स्थानों का हुआ निरीक्षण

पहले चरण के सर्वे में शहर के सभी 66 वार्डों के अलावा विभिन्न श्रेणियों के सार्वजनिक और संस्थागत स्थलों का निरीक्षण किया गया।

- 20 आवासीय क्षेत्र
- 20 व्यावसायिक क्षेत्र
- 16 बस्तियां
- 16 स्कूल
- 8 वेंडर जोन
- 6 वेस्ट टू वंडर कलाकृतियां
- 6 पार्क
- 6 क्लीननेस टारगेट यूनिट
- 6 आरआरआर सेंटर
- 4 पर्यटन स्थल
- प्रमुख मंदिर एवं ऐतिहासिक स्थल

इनका कहना है

पहले चरण का सर्वे पूरा हो चुका है। अब गार्बेज फ्री सिटी सर्टिफिकेशन को ध्यान में रखते हुए मैदानी स्तर पर व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ किया जा रहा है, ताकि शहर स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर प्रदर्शन कर सके।

संघ प्रिय, निगमायुक्त

'युगप्रवर्तक डॉ. हेडगेवार' महानाट्य का मंचन संपन्न

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में संघ के आद्य सरसंघचालक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के जीवन एवं राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर आधारित महानाट्य 'युगप्रवर्तक डॉ. हेडगेवार' का निःशुल्क मंचन 22 जून को जीवाजी विश्वविद्यालय के अटल बिहारी वाजपेयी सभागृह में किया गया। सायं 6:30 बजे से आयोजित इस नाटक में नागपुर से आ रहे 45 कलाकार प्रस्तुति दी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ग्वालियर विभाग संघचालक प्रहलाद सबनानी, संस्कार भारती के मंचीय कला के प्रांतीय प्रमुख प्रदीप दीक्षित, ग्वालियर विभाग संयोजक शेखर दीक्षित एवं ग्वालियर महानगर महामंत्री चंद्रप्रताप सिकरवार ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग के सहयोग से आयोजित महानाट्य के माध्यम से डॉ. हेडगेवार के जीवन, विचारों, संगठन निर्माण और राष्ट्रसेवा के संदेश को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। उन्होंने बताया कि देशभर में इस महानाट्य का मंचन 46 स्थानों पर हो चुका है। नाद ब्रह्म नागपुर संस्था द्वारा निर्मित इस नाटक का मंचन ग्वालियर में पहली बार हो रहा है। उन्होंने बताया कि इस नाटक के निर्माता पद्माकर धानोकर, लेखक डॉ. अजय प्रधान, निर्देशक सुबोध सुर्जीकर तथा संगीत संयोजन शैलेश दाणी द्वारा किया गया । इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह व्यवस्था प्रमुख अनिल ओक, मध्य भारत प्रांत के प्रांत संघचालक अशोक पांडे विशेषरूप से उपस्थित रहे । उन्होंने लोगों से कार्यक्रम में भाग लेने का आग्रह किया ।

पूर्व सैनिक सेवा परिषद भवन का शिलान्यास

ग्वालियर। पूर्व सैनिक सेवा परिषद ग्वालियर के तत्वावधान में 22 जून को सुबह 11:30 बजे रेस कोर्स रोड स्थित पूर्व सैनिक सेवा परिषद भवन का शिलान्यास समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मध्य भारत प्रांत के प्रांत संघचालक अशोक पांडेय, मुख्य अतिथि सांसद भारत सिंह कुशवाहा होंगे। अध्यक्षता अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के प्रदेश अध्यक्ष मेजर जनरल तेजप्रताप सिंह रावत करेंगे। विशिष्ट अतिथि नगर निगम सभापति मनोज तोमर होंगे।

आलोक आहूजा बने कैट के सह सचिव

ग्वालियर। कॉन्फिडेंशियल ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने आलोक आहूजा को जिला सह सचिव के पद पर मनोनीत किया है। श्री आहूजा पिछले कई वर्षों से व्यापारिक एकता और सामाजिक कार्यों से जुड़े हुए हैं। उन्होंने अपनी नियुक्ति पर राष्ट्रीय संगठन मंत्री भूपेन जैन, जिला अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल सहित वरिष्ठ पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का विमानतल पर आत्मीय स्वागत

■ हेलिकॉप्टर से श्योपुर जिले के कूनों पहुंचीं

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का ग्वालियर आगमन पर विमानतल पर आत्मीय स्वागत हुआ। श्रीमती मुर्मु रविवार को वायुसेना के विमान से दोपहर 2:40 बजे वायुसेना के विमानतल महाराजपुरा पर पहुंची। उनके साथ मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल भी आए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का विमानतल पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल एवं मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि के रूप में प्रदेश के मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, सांसद भारत सिंह कुशवाहा व महापौर शोभा सतीश सिकरवार ने भी पुष्प-गुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। विमानतल पर अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव, डीजी होमगार्ड प्रज्ञा रिचा श्रीवास्तव, जिलाधीश रुचिका चौहान, पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह एवं वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु एवं राज्यपाल मंगुभाई पटेल कुछ देर रुकने के पश्चात हेलिकॉप्टर से श्योपुर जिले के कूनों के लिए रवाना हुए। विमानतल पर संभागीय आयुक्त मनोज खत्री, आईजी अरविंद कुमार सक्सेना, डीआईजी असित यादव, नगर निगमायुक्त संघ प्रिय सहित वायुसेना के अधिकारी उपस्थित थे। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु 22 जून को प्रातः 10:40 बजे हेलिकॉप्टर से श्योपुर के कूनो से वायुमार्ग द्वारा ग्वालियर में वायुसेना के विमानतल महाराजपुरा आएंगी व कुछ देर रुकने के पश्चात वायुसेना के विमान द्वारा नई दिल्ली के लिए रवाना होंगी।

तेज धूप छुड़ा रही पसीना, उमस बढ़ा रही बेचैनी

■ गर्मी से राहत के लिए मानसून का इंतजार

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

प्री-मानसून गतिविधियों के चलते छुटपुट बारिश ने मौसम को और अधिक विपरीत बना दिया है। चिलचिलाती धूप जहां लोगों का पसीना छुड़ा रही है तो उमस बेचैनी बढ़ा रही है। ऐसे में राहत की बारिश के लिए सभी को मानसून का इंतजार है।

प्री मानसून गतिविधियों के चलते शहर में बीते शनिवार को दोपहर में हुई हल्की बारिश के बाद से ही उमस बढ़ गई है। रविवार को दिनभर तेज धूप के साथ उमस परेशान करती रही। इस दौरान जो भी घर से बाहर निकला वह बार-बार पसीने से तरबतर होता रहा। तेज धूप के चलते तापमान भी 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास ही टिका हुआ है।

स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र के अनुसार रविवार को अधिकतम तापमान 39.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 0.3 डिग्री सेल्सियस अधिक है, जबकि न्यूनतम तापमान 28.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह भी सामान्य से 0.3 डिग्री सेल्सियस अधिक है। मौसम विज्ञान केन्द्र भोपाल से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस समय जम्मू-कश्मीर और उससे सटे उत्तरी पाकिस्तान में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है। पंजाब से हरियाणा और उत्तर प्रदेश होते हुए बिहार तक बनी मौसमी ट्रफ लगातार सक्रिय है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में मौजूद चक्रवातीय परिसंचरण से पूर्वी मध्यप्रदेश, पूर्वी विदर्भ और दिक्षिणी छत्तीसगढ़ होते हुए तटीय आंध्रप्रदेश तक ट्रफ गुजर रही है। गुजरात में भी एक चक्रवातीय परिसंचरण सक्रिय है। इन मौसम प्रणालियों के प्रभाव से अगले 24 घंटे के दौरान ग्वालियर-चंबल संभाग में कहीं-कहीं तेज हवा के साथ बूंदाबांदी या हल्की बारिश हो सकती है।

नकली खाद का भंडाफोड़, 250 बैग जब्त

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

किसानों को डीएपी के विकल्प के नाम पर नकली खाद बेचकर धोखा देने वालों के खिलाफ कृषि विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। संभाग स्तरीय निरीक्षण दल ने अशोकनगर जिले के चंदेरी विकासखंड में छापामार कार्रवाई कर 250 बैग संदिग्ध नकली खाद जब्त कराई।

मामले में विक्रेता के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 और किसानों के साथ धोखाधड़ी के आरोप में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(2) के तहत चंदेरी थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। संयुक्त संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास आरएस शाक्यवार ने बताया कि विभाग को सूचना मिली थी कि डीएपी के विकल्प (ऑर्गेनिक सब्स्टीट्यूट) के नाम पर किसानों को नकली उत्पाद बेचा जा रहा है। सूचना मिलते ही संभागीय टीम ने चंदेरी में संबंधित प्रतिष्ठान पर दबिश दी। जांच के दौरान बड़ी मात्रा में संदिग्ध खाद मिलने पर 250 बैग जब्त कर पुलिस कार्रवाई कराई गई। कार्रवाई में सहायक संचालक कृषि दिनेश श्रीवास्तव, वरिष्ठ कृषि अधिकारी एके विसोरिया, उर्वरक निरीक्षक रविंद्र यादव तथा कृषि विकास अधिकारी, चंदेरी की टीम शामिल रही। कृषि विभाग ने साफ किया है कि नकली खाद और बीज का कारोबार करने वालों के खिलाफ पूरे संभाग में अभियान लगातार जारी रहेगा। किसानों के हितों से खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और ऐसे मामलों में कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वाटर हार्वेस्टिंग से बढ़ेगा भूजल स्तर

स्मार्ट सिटी ने तीन ऐतिहासिक बावड़ियों को दिया नया जीवन

नगरसंवाददाता ■ ग्वालियर

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत स्मार्ट सिटी द्वारा शहर की तीन ऐतिहासिक बावड़ियों का संरक्षण एवं पुनर्जीवन कार्य किया गया है। एसएएफ द्वितीय वाहिनी परिसर स्थित स्टेटकालीन बावड़ी, कांचमील स्थित सेनापति हनुमान मंदिर परिसर की बावड़ी तथा इटालियन गार्डन की बावड़ी को वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली से जोड़कर पुनः सक्रिय किया गया है।

एसएएफ द्वितीय वाहिनी परिसर स्थित बावड़ी का लोकार्पण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, सभापति मनोज तोमर एवं निगमायुक्त संघ प्रिय की उपस्थिति में विधिवत पूजन-अर्चन के साथ किया गया। इस अवसर पर संबंधित अधिकारियों ने शहर की अन्य बावड़ियों के संरक्षण एवं जीर्णोद्धार के लिए विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने की आवश्यकता पर बल दिया। स्मार्ट सिटी द्वारा किए गए इस कार्य के तहत पहले चरण में बावड़ियों से जमा कचरा और गाद हटाई गई, इसके बाद संरचनात्मक मरम्मत कर उन्हें मजबूत किया गया। वर्षा जल के प्रभावी उपयोग के लिए प्रत्येक स्थल पर वाटर हार्वेस्टिंग किट स्थापित की गई है, जिससे वर्षा जल फिल्टर होकर सीधे बावड़ी में पहुंचेगा और भूजल स्तर में वृद्धि होगी। तीनों बावड़ियों के पुनर्जीवन कार्य पर लगभग 97 लाख रुपए की लागत आई है। इस राशि में मरम्मत, रंग-रोगन, सौंदर्यीकरण एवं तकनीकी व्यवस्था शामिल है। अनुमान के अनुसार एसएएफ परिसर की बावड़ी में प्रतिवर्ष 22 से 23 लाख लीटर, इटालियन गार्डन में 5 से 6 लाख लीटर तथा सेनापति हनुमान मंदिर परिसर क्षेत्र में लगभग 22 से 25 लाख लीटर वर्षा जल का संरक्षण किया जा सकेगा। संरक्षण कार्य के साथ-साथ बावड़ियों का सौंदर्यीकरण भी किया गया है। बाउंड्रीवाल एवं आंतरिक हिस्सों में आकर्षक पेंटिंग कर इन्हें नया स्वरूप दिया गया है, जिससे ये जल संरचनाएं अब जल संरक्षण के साथ-साथ शहर के दर्शनीय स्थलों के रूप में भी उभर रही हैं।

योग से शरीर, मन, बुद्धि व्यवस्थित होती है

मध्य भारत शिक्षा समिति ग्वालियर द्वारा आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर पार्वती खेल अकादमी में योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ अनुषा दीपक त्यागी योग मार्गदर्शक लक्ष्मीबाई शारीरिक शिक्षण संस्थान उपस्थित रही साथ ही मध्य भारत शिक्षा समिति के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र बांदिल, मध्य भारत शिक्षा समिति के सचिव प्रोफेसर राजेंद्र वैद्य तथा पार्वती खेल अकादमी साथी निकाय के अध्यक्ष डॉ राजेंद्र सिंह मंच पर उपस्थित रहे । मुख्य अतिथि ने कहा योग के माध्यम से शरीर मन व बुद्धि को व्यवस्थित रूप से संचालित किया जा सकता है। डॉ राजेंद्र सिंह द्वारा भी योग के महत्व को सभी के सामने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर समिति के सदस्य राजेंद्र टेम्बे, किरण कुमार कल्याणकर पार्वती खेल अकादमी सदस्य शासी निकाय, डॉ प्रदीप वाजपेयी प्रशासनिक अधिकारी मध्य भारत शिक्षा समिति मौजूद थे।

सरस्वती शिशु मंदिर में मनाया योग दिवस

सरस्वती शिशु मंदिर, सरस्वती नगर में 21 जून , रविवार को विश्व योग दिवस उत्साह-उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भैया/बहिनों एवं आचार्य परिवार द्वारा सामूहिक योग किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रमा अवस्थी ने योग का मानव जीवन में महत्व बताते हुए कहा कि योग के द्वारा हम शारीरिक और मानसिक रूप से आजीवन स्वस्थ रह सकते हैं।

प्रेस्टिज के प्रबंधन ने किया योग

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रेस्टिज प्रबंधन एवं अनुसंधान संस्थान, ग्वालियर के समस्त विद्यार्थियों, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने अवकाश अवधि होने के कारण अपने-अपने घरों, उद्यानों तथा अन्य उपयुक्त स्थानों पर योगाभ्यास कर योग के प्रति अपनी आस्था और जागरूकता का परिचय दिया। संस्थान के निदेशक डॉ. निर्मल्य बंद्योपाध्याय ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अपने संदेश में कहा, योग भारत की महान सांस्कृतिक विरासत है, जो मानव जीवन को स्वस्थ, संतुलित और अनुशासित बनाने का प्रभावी माध्यम है। योग केवल शारीरिक क्रियाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति के संपूर्ण व्यक्तित्व के विकास का मार्ग प्रशस्त करता है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रेस्टिज प्रबंधन एवं अनुसंधान संस्थान परिवार ने योग को जन-जन तक पहुंचाने तथा स्वस्थ एवं जागरूक समाज के निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया।

बीआईएमआर इंस्टीट्यूशन में हुआ योग कार्यक्रम

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मध्य प्रदेश शासन श्रम विभाग, मध्यप्रदेश श्रम कल्याण मंडल एवं आयुष विभाग, मध्यप्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में तथा बीआईएमआर अस्पताल के सहयोग से अस्पताल परिसर मेंश्रम और योग, सजगता और निरोग विषय पर योग एवं सूर्य नमस्कार कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर विकास सिंह परमार, इंचार्ज वेलफेयर इंस्पेक्टर, ग्वालियर डिवीजन, मध्यप्रदेश श्रम कल्याण मंडल विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बीआईएमआर अस्पताल और कॉलेज के प्रबंधन, शिक्षक, चिकित्सकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं अन्य प्रतिभागियों ने भाग लिया तथा नियमित योग एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।

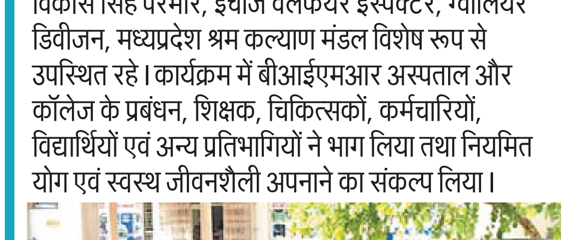

पीजीवी में रासेयो द्वारा मनाया योग दिवस :

पी.जी.वी. विद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रासेयो स्वयंसेवकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रा.से.यो के जिला संगठक डॉ. मनोज अवस्थी साथ ही विद्यालय के प्रचार्य नरेश कुमार शर्मा उपस्थित रहे।

उत्साह बनाए रखने के कुछ खास उपाय

लक्ष्य बनाना आसान है, लेकिन उन पर टिके रहना मुश्किल। हममें से ज्यादातर लोगों का उत्साह कुछ ही दिनों में फीका पड़ जाता है। हम या तो बहुत मुश्किलें देखकर निराश हो जाते हैं या बहुत आसान काम करके ऊब जाते हैं। यहीं पर काम आता है 'गोल्डीलॉक्स नियम'। यह नियम बताता है कि इंसानी दिमाग को प्रेरित रखने के लिए उचित चुनौती की जरूरत होती है, न बहुत कठिन, न ही बहुत आसान।

साल 1955 में, कैलिफोर्निया के डिज्नीलैंड में एक 10 साल की लड़की ने गाइडबुक बेचने की नौकरी शुरू की। एक साल के भीतर वह डिज्नी की मैजिक शॉप में काम करने लगी। जल्दी ही उसे एहसास हुआ कि उसे जादू से ज्यादा मंच पर प्रदर्शन करना पसंद है। किशोरावस्था में उसने लॉस एंजिल्स के छोटे-छोटे क्लबों में स्टैंड-अप कॉमेडी करना शुरू किया। शुरुआत में दर्शक कम होते थे। अक्सर लोग उसकी तरफ ध्यान भी नहीं देते थे। शुरुआत में उसकी प्रस्तुति सिर्फ एक-दो मिनट की होती थी, जो धीरे-धीरे बढ़कर 9 साल की उम्र तक 20 मिनट की हो गई। इसके बाद अगले एक दशक तक वह लगातार बदलाव, प्रयोग और अभ्यास करती रही। टीवी के लिए लिखा और धीरे-धीरे टॉक शो में नजर आने लगी। सत्तर के दशक के मध्य तक वह 'द टूनाइट शो' और 'सैटरडे' नाइट लाइव जैसे बड़े कार्यक्रमों का नियमित हिस्सा बन चुका थी।

आखिरकार, लगभग 15 वर्षों की अथक मेहनत के बाद उसे ऐतिहासिक सफलता मिली। उसके एक-एक शो को देखने के लिए हजारों की भीड़ उमड़ने लगी। अपने लगातार अभ्यास की बदौलत वह अपने समय के सबसे सफल कॉमेडियन बन गई

प्रेरित कैसे रहें?

हाल ही में इस लड़की की शानदार आत्मकथा पढ़ी। कहानी यह समझने का दिलचस्प अवसर देती है कि लोग लंबे समय तक अपनी आदतों पर टिके कैसे रहते हैं? उनके शब्दों में, '10 साल सीखने में, 4 साल खुद को तराशने में और 4 साल असाधारण सफलता हासिल करने में लगे।' आखिर ऐसा क्या है कि कुछ लोग ही अपने अभ्यास और आदतों पर टिके रहते हैं, जबकि अधिकांश लोग बीच रास्ते में ही प्रेरणा खो देते हैं? हम ऐसी आदतें कैसे विकसित करें, जो हमें लगातार आकर्षित करती रहें? मनोवैज्ञानिकों और वैज्ञानिकों ने वर्षों तक इस प्रश्न का अध्ययन किया है। एक निष्कर्ष बार-बार सामने आया है- यदि आप प्रेरित बने रहना चाहते हैं, तो आपको ऐसे काम करने चाहिए, जो आपकी क्षमता के ठीक आसपास की चुनौती प्रस्तुत करें, न बहुत आसान, न बहुत कठिन।

अपनी प्रगति को मापिए

यदि आप लंबे समय तक प्रेरित रहना चाहते हैं, तो मेहनत और खुशी के बीच संतुलन को समझना होगा। मनोवैज्ञानिक गिल्बर्ट ब्रिम के अनुसार, 'मानवीय खुशी के महत्वपूर्ण स्रोतों में से एक है, ऐसे कार्यों पर काम करना जो न बहुत कठिन हों और न बहुत आसान।'

खुशी और उत्कृष्ट प्रदर्शन के इस मेल को 'फ्लो' कहा जाता है। फ्लो वह मानसिक अवस्था है, जिसमें व्यक्ति किसी काम में इतना डूब जाता है कि बाकी दुनिया जैसे गायब हो जाती है। खिलाड़ी, कलाकार और प्रदर्शनकारी अक्सर इसे 'जोन में होना' कहते हैं, लेकिन इस अवस्था तक पहुंचने के लिए केवल सही स्तर की चुनौती पर्याप्त नहीं है। इसके साथ अपनी प्रगति का एहसास भी जरूरी है।

मनोवैज्ञानिक जोनाथन हाइट बताते हैं कि फ्लो की अवस्था में पहुंचने की एक प्रमुख शर्त यह है कि व्यक्ति को हर कदम पर यह पता चलता रहे कि वह कैसा प्रदर्शन कर रहा है। जब हमें अपनी प्रगति दिखाई देती है, तो प्रेरणा अपने आप बढ़ती है। स्टीव मार्टिन दर्शकों की हंसी से तुरंत जान जाते कि वे सफल हो गए हैं। संभवतः इसी कारण वे अगले कई हफ्तों तक और अधिक मेहनत करने के लिए तैयार हो जाते थे। जीवन के दूसरे क्षेत्रों में प्रगति मापने के तरीके अलग हो सकते हैं। मसलन, व्यवसाय में बिक्री के आंकड़े यह बताते हैं कि आप आगे बढ़ रहे हैं या नहीं। सेहत के क्षेत्र में वजन, फिटनेस या दौड़ने की क्षमता आपकी प्रगति का संकेत देती है। मस्तिष्क को प्रेरित बने रहने के लिए अपनी उपलब्धियों को देखने का कोई न कोई तरीका चाहिए। सही दिशा में हो रही अपनी छोटी-छोटी जीत को देखने की समझ होना जरूरी है।

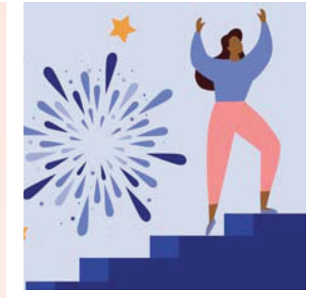

प्रेरणा के दो सरल सूत्र

- **पहलाः** गोल्डीलॉक्स नियम का पालन कीजिए और ऐसे काम चुनिए, जो आपकी क्षमता को उचित चुनौती दें।
- **दूसराः** अपनी प्रगति को मापिए और अगर संभव है, तो प्रतिक्रिया प्राप्त कीजिए। जीवन को बेहतर बनाने की इच्छा रखना आसान है, लेकिन उस दिशा में लगातार बने रहना कहीं अधिक कठिन है। यदि आप लंबे समय तक प्रेरित रहना चाहते हैं, तो ऐसी चुनौती से शुरुआत कीजिए, जो आपकी पहुंच में हो। अपनी प्रगति को नियमित रूप से देखिए और फिर इसी प्रक्रिया को दोहराते रहिए। यही निरंतर सुधार और स्थायी प्रेरणा का सबसे भरोसेमंद रास्ता है।

क्या है गोल्डीलॉक्स नियम

मानव मस्तिष्क चुनौतियों को पसंद करता है, लेकिन तब तक, जब वे कठिनाई के एक उपयुक्त स्तर पर हों।

मान लीजिए, आपको टेनिस खेलना पसंद है। यदि आप किसी चार साल के बच्चे के खिलाफ मैच खेलें, तो बहुत जल्दी ऊब जाएंगे। खेल इतना आसान होगा कि हर अंक आप ही जीतेंगे। दूसरी ओर, यदि मुकाबला किसी पेशेवर खिलाड़ी से हो जाए, तो भी आपका उत्साह जल्दी खत्म हो जाएगा, क्योंकि चुनौती आपकी क्षमता से कहीं अधिक होगी। अब कल्पना कीजिए कि आप अपने बराबरी के खिलाड़ी के साथ खेल रहे हैं। कभी आप अंक जीतते हैं और कभी हारते हैं। जीतने की संभावना है, लेकिन तभी जब आप पूरा प्रयास करें। ऐसी स्थिति में आपका ध्यान पूरी तरह खेल पर केंद्रित हो जाता है। आसपास की चीजें महत्वहीन लगने लगती हैं और आप पूरी तरह उस काम में डूब जाते हैं। यही है 'उचित चुनौती' की स्थिति और यही गोल्डीलॉक्स नियम का सार है। यह नियम कहता है कि इंसान सबसे अधिक प्रेरित तब महसूस करता है, जब वह ऐसे काम कर रहा हो, जो उसकी वर्तमान क्षमता की सीमा को हल्की सी चुनौती दे रहे हों। बस उतने ही कठिन, जितने होने चाहिए।

उदाहरण और सीख

एक लड़की की कहानी इसका अच्छा उदाहरण है जिसने डिज़्नी में साधारण नौकरी से शुरुआत की थी। धीरे-धीरे उसने समझा कि उसकी रुचि सिर्फ काम करने में नहीं बल्कि लोगों को हंसाने और मंच पर प्रदर्शन करने में है। उसने छोटे क्लबों में कॉमेडी शुरू की, गीत गाए, जहां शुरुआत में बहुत कम लोग आते थे। कई बार उसे ऐसा भी लगा कि शायद वह सही दिशा में नहीं है, लेकिन उसने हार नहीं मानी। वह लगातार अपने प्रदर्शन को बेहतर करता गया और हर शो के बाद कुछ नया सीखता रहा। समय के साथ उसका अनुभव बढ़ता गया और वह बड़े मंचों तक पहुंच गया। यह सफलता अचानक नहीं मिली बल्कि लगातार छोटे-छोटे सुधारों का परिणाम थी।

बाल होंगे मजबूत, त्वचा भी करेगी ग्लो, विशेषज्ञ ने बताए तमाम फायदे

मानसून के फलों को खाना न भूलें, फायदे में रहेंगे

मानसून में आने वाले फलों से त्वचा और बालों को ढेरों फायदे मिलते हैं। इनमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन सी, बायोटिन, कॉपर, आयरन जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो स्वस्थ बालों और त्वचा के लिए बेहद जरूरी हैं। न्यूट्रिशनिस्ट प्रतीक्षा कदम के अनुसार इस मौसम में त्वचा और बालों से जुड़ी कई समस्याओं का समाधान प्राकृतिक रूप से इन फलों से मिल सकता है।

इस मौसम में त्वचा को किन परेशानियों का सामना करना पड़ता है?

मानसून में उमस बढ़ जाती है। लोग बार-बार एसी में जाते हैं और बाहर आते हैं, जिससे त्वचा को तापमान में बदलाव का सामना करना पड़ता है। इससे त्वचा की प्राकृतिक सुरक्षा परत कमजोर हो जाती है। त्वचा तैलीय दिखने लगती है लेकिन अंदर से वह डिहाइड्रेट रहती है। चेहरे पर पोर्स खुल जाते हैं और जलन व इरिटेशन की समस्या बढ़ जाती है।

मानसून के फलों से यह फायदे- इन समस्याओं को ठीक करने के लिए शरीर को विटामिन सी की जरूरत होती है, जिससे कोलेजन रिपेयर हो सके और त्वचा में निखार आए। एंटीऑक्सीडेंट्स फ्री रेडिकल्स से लड़ने में मदद करते हैं। त्वचा की जिंक की जरूरत भी पूरी होती है, जिससे सीबम नियंत्रित रहता है और इंफ्लेमेशन कम होता है। बालों को भी पोषण मिलता है और हेयर फॉल कम होता है।

फलों को खाने से पहले अच्छी तरह धो लें।

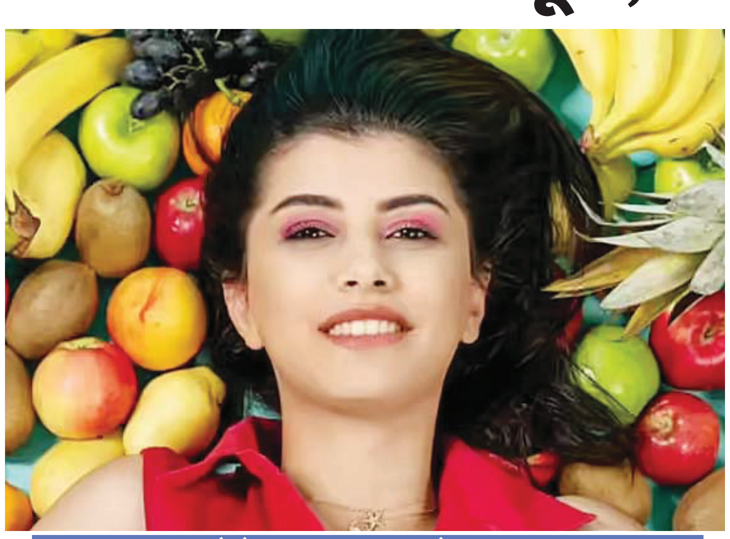

ऐसे खाएं मानसून के फल

जामुन और लीची को 10 मिनट तक नमक वाले पानी में भिगोकर रखें।

एक बार में अधिक फल न खाएं

कटे हुए फल तुरंत खा लें, देर तक न रखें सड़क किनारे कटे हुए फल खाने से बचें मानसून में खाने योग्य फल।

जामुन

जामुन में एंथोसायनिन पाया जाता है, जो त्वचा की उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो त्वचा को स्वस्थ रखते हैं और बालों की जड़ों को मजबूत बनाते हैं।

लीची

लीची में भरपूर मात्रा में विटामिन सी पाया जाता है, जो कोलेजन बनाने में मदद करता है। यह त्वचा को टाइट रखता है और बालों को समय से पहले सफेद होने से बचाता है।

आडू

आडू में विटामिन ए और सी होते हैं, जो त्वचा को चमकदार बनाते हैं और डेड स्किन हटाने में मदद करते हैं।

आलूबुखारा

यह पाचन को बेहतर बनाता है और त्वचा को अंदर से साफ करता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को ग्लोइंग बनाते हैं।

नाशपाती

नाशपाती में फाइबर और पानी की मात्रा अधिक होती है, जो शरीर को हाइड्रेट रखती है और त्वचा को स्वस्थ बनाती है।

केला

केले में बायोटिन होता है, जो बालों को मजबूत बनाता है और त्वचा को पोषण देता है। यह शरीर में ऊर्जा भी बनाए रखता है।

इस तरह खाएं मानसून के फल

- बैक्टीरिया मुक्त करने के लिए फलों को छीलने से पहले अच्छी तरह धो लें।
- जामुन और लीची जैसे फलों को 10 मिनट तक नमक के पानी में भीगा रहने दें।
- एक बार में दो से ज्यादा फल न खाएं, बेहतर है कि एक ही फल खाएं।
- सड़क से कटे हुए फल खरीदकर खाने से बचें।
- फल काटने के बाद 2 से 3 घंटों के भीतर ही उनका सेवन कर लें।

मना करने के बावजूद बच्चे क्यों करते हैं वही काम...

बढ़ती उम्र के बच्चों में कई तरह के बदलाव आते हैं। इनमें से एक है माता-पिता की बातों का विरोध करना। बच्चों की लाइफ में एक ऐसा फेज आता है, जब आप उन्हें जो कहते हैं, वे उसके ठीक विपरीत काम करते हैं। जैसे अगर आप उन्हें सोने के लिए कहें, तो वे देर रात तक जागोगे । जब आप पढ़ने के लिए कहेंगे, तो वे अन्य चीजों में इंवॉल्व हो जाएंगे। ऐसी स्थिति में माता-पिता की शिकायत रहती है कि बच्चा बात नहीं सुनता और हम जिस चीज के लिए मना करते हैं, वह जरूर करता है। हालांकि, बच्चों में माता-पिता की बात न मानना आम बात है। लेकिन अगर आपका बच्चा हर बात पर आपका विरोध कर रहा है, तो माता-पिता को इस बात की फिक्र होने लगती है कि वास्तव में उनका बच्चा नॉर्मल है या नहीं। पैरेंटिंग कोच विश्रुति जोएस ने शेयर किया है। इसमें उन्होंने बताया है कि बच्चे ऐसा व्यवहार क्यों करते हैं।

शब्दों का असर- एक्सपर्ट बताती हैं कि अगर आपका बच्चा भी आपके कहने के उलट काम करता है, तो टेंशन न लें। क्योंकि प्रॉब्लम न तो बच्चे में हैं और न ही आप में। प्रॉब्लम है आपके शब्दों में। जिन शब्दों का इस्तेमाल आप करते हैं, वो बच्चे को उसके उलट काम करने के लिए मजबूर करते हैं, क्योंकि बच्चों को पता ही नहीं होता ये अच्छा काम है या नहीं लेकिन जब उन्हें हम बार बार मना करते है कि नहीं करना है तो नहीं से ज्यादा प्रभावी शब्द वो उन्हें लगता है जिसके लिए हम मना कर रहे होते है।

विकल्प न देना- मान लीजिए आपने बच्चे से कहा कि सोफे पर न कूदें। तो बच्चे को पता है कि सोफे पर नहीं कूदना, तो आखिर वे कहां जंप करें। आपने तो उन्हें कोई विकल्प दिया ही नहीं। अगर आप उनसे

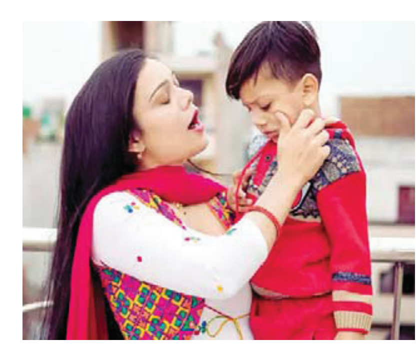

कह दें कि अगर आपको कूदना है तो ट्रैंपोलिन पर जाएं, तो वह सोफे पर कूदना बंद कर देगा। उसी तरह अगर आपने कहा कि यहां पानी मत फैलाओ। अगर पानी फैलाना है, तो बाथरूम में जाओ। तो ऐसे में बच्चे के पास विकल्प है। विकल्प होंगे, तो वी ठीक वैसा ही करेगा, जैसा आपने उससे करने कहा है।

यह भी हैं वजहें- कभी-कभी बच्चे आपका पेशंस लेवल टेस्ट करना चाहते हैं। इसलिए आप जो कहते हैं उसके विपरीत काम करते हैं। हो सकता है कि इसके पीछे उनका कोई गलत इरादा न हो, लेकिन वे केवल यह देखना चाहते हैं कि आप उनके अजीब व्यवहार को कब तक झेल सकते हैं।

उनकी बात सुनें- बच्चों के मन में कई बातें चल रही होती हैं। माता-पिता के रूप में यह महत्वपूर्ण है कि हम उनकी बात सुनें। जब वे खुद को अभिव्यक्त करते हैं, तो न केवल हम उनके व्यवहार के कारणों को समझ पाते हैं बल्कि इससे उन्हें आपके साथ अपनी बातें शेयर करने के लिए अच्छा स्पेस मिल जाता है।

कुछ घरेलू उपायों से पैरों की टैनिंग और चप्पलों के निशान कम किए जा सकते हैं

धूप से हुए पैर काले और पड़ी चपलों के निशान, ब्यूटी एक्सपर्ट से जानें घरेलू उपाय

तेज धूप में पैरों पर टैनिंग आ जाती है, जिसके बाद अक्सर चप्पल या सैंडल के निशान पड़ जाते हैं। शरीर के अन्य हिस्सों से टैनिंग तो आसानी से हट जाती है, लेकिन पैरों पर पड़े ये निशान जल्दी नहीं जाते। ब्यूटी एक्सपर्ट शहनाज हुसैन के अनुसार कुछ घरेलू उपायों से पैरों की टैनिंग और चप्पलों के निशान कम किए जा सकते हैं।

घरेलू नुस्खों से करें दूर- धूप में ज्यादा समय बिताने से शरीर के खुले हिस्सों पर टैनिंग हो जाती है। पैरों पर चप्पल के निशान लंबे समय तक रह जाते हैं क्योंकि वहां की त्वचा मोटी होती है और धूल-मिट्टी व धूप का असर ज्यादा पड़ता है। इससे त्वचा पर काली परत जम जाती है, जिसे हटाना थोड़ा मुश्किल होता है। हालांकि कुछ घरेलू उपाय अपनाकर इन्हें कम किया जा सकता है।

स्क्रबिंग

बेकिंग सोडा और टूथपेस्ट स्क्रब- टूथपेस्ट और बेकिंग सोडा मिलाकर एक पेस्ट बनाएं। इसमें थोड़ा नींबू का रस मिलाएं। इस मिश्रण को पैरों पर लगाकर हल्के हाथों से स्क्रब करें। कुछ देर बाद धो लें। यह हफ्ते में दो बार करने से टैनिंग कम हो सकती है।

कॉफी स्क्रब

अगर पैर रूखे हैं तो कॉफी का स्क्रब काफी असरदार होता है। कॉफी पाउडर में शहद मिलाकर पेस्ट बनाएं और पैरों पर हल्के हाथों से स्क्रब करें। यह डेड स्किन हटाने में मदद करता है और त्वचा को मुलायम बनाता है।

नींबू और खीरे का रस- नींबू त्वचा को साफ करता है और खीरा त्वचा को ठंडक और नमी

देता है। दोनों का रस मिलाकर पैरों पर लगाएं और 15 मिनट बाद धो लें। इसे हफ्ते में तीन बार इस्तेमाल किया जा सकता है।

आलू और दही का मास्क

आलू का रस और दही मिलाकर पेस्ट बनाएं। इसमें थोड़ा बेसन और नींबू का रस भी मिला सकते हैं। इसे पैरों पर लगाकर आधे घंटे बाद धो लें।

बेसन और दही

बेसन और दही का पेस्ट पैरों पर लगाकर 30 मिनट बाद धो लें। इससे त्वचा साफ होती है और टैनिंग कम होती है। बेहतर परिणाम के लिए इसमें नींबू की कुछ बूंदें मिलाई जा सकती हैं।

टैन रिमूविंग पेस्ट

गर्म पानी में नींबू का रस मिलाएं, उसमें नारियल तेल, शैंपू और कॉफी पाउडर मिलाकर

पेस्ट बनाएं। इसे 10 मिनट तक पैरों पर रगड़ें और फिर धो लें।

संतरे के छिलकों का पाउडर और कच्चा दूध मिलाकर 30 मिनट तक लगाएं, फिर धो लें।

चावल के आटे में कच्चा दूध और शहद मिलाकर 15 मिनट तक पैरों पर लगाएं और धो लें।

ध्यान रखें

यदि इनमें से कोई भी उपाय त्वचा में जलन पैदा करता है, तो उसका उपयोग तुरंत बंद कर दें। यदि धूप से त्वचा अधिक प्रभावित हुई है, तो किसी विशेषज्ञ की सलाह लेना बेहतर है।

जीत का जश्न मनाते जर्मनी के खिलाड़ी

आइवरी कोस्ट को 2-1 से हराकर जर्मनी नॉकआउट में

डेनिज उन्दाव बने जीत के हीरो

एजेंसी, टोरंटो

फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-ई मुकाबले में जर्मनी ने शानदार वापसी करते हुए आइवरी कोस्ट को 2-1 से हरा दिया। टोरंटो स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में एक समय जर्मन टीम पिछड़ रही थी, लेकिन डेनिज उन्दाव के दो गोलों की बदौलत उसने जीत हासिल कर ली। इस जीत के साथ जर्मनी ने नॉकआउट चरण में अपनी जगह भी पक्की कर ली।

पहले हाफ में फ्रेंक ने दिलाई बढ़त

मुकाबले की शुरुआत से ही दोनों टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया। जर्मनी ने गेंद पर अधिक नियंत्रण रखा और लगातार मौके बनाने की कोशिश की, लेकिन आइवरी कोस्ट की रक्षापंक्ति मजबूती से डटी रही। मैच का पहला गोल 30वें मिनट में आया। यान डियोमांडे की शानदार रन के बाद बने मौके का फायदा उठाते हुए फ्रेंक कैसी ने बेहतरीन फिनिश किया और आइवरी कोस्ट को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद जर्मनी ने बराबरी के लिए कई प्रयास किए, लेकिन हाफ-टाइम तक स्कोर 1-0 ही रहा।

डेनिज उन्दाव गोल करते हुए।

दूसरे हाफ में जर्मनी ने की जोरदार वापसी

ब्रेक के बाद जर्मनी ने खेल की रफ्तार बढ़ा दी और लगातार आइवरी कोस्ट के गोल पर दबाव बनाया। इसका फायदा 68वें मिनट में मिला, जब सब्स्टीट्यूट डेनिज उन्दाव ने शानदार गोल दागकर टीम को 1-1 की बराबरी दिला दी। इस गोल के बाद मुकाबला और रोमांचक हो गया। दोनों टीमें जीत के लिए संघर्ष करती रहीं, लेकिन जर्मनी के हमले लगातार ज्यादा खतरनाक नजर आए।

इंजरी टाइम में उन्दाव बने जीत के हीरो

जब मैच ड्रॉ की ओर बढ़ता दिख रहा था, तभी इंजरी टाइम में जर्मनी को निर्णायक बढ़त मिल गई। 90+4वें मिनट में फेलिक्स एनमेचा के पास पर डेनिज उन्दाव ने शानदार टर्न लेते हुए सटीक शॉट लगाया और गेंद को गोल में पहुंचा दिया। उन्दाव का यह दूसरा गोल जर्मनी के लिए मैच विनिंग गोल साबित हुआ। इसके बाद आइवरी कोस्ट वापसी नहीं कर सकी और जर्मनी ने बढ़त बरकरार रखी।

कुरासाओ ने वर्ल्ड कप में हासिल किया पहला अंक

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप-ई मुकाबले में कुरासाओ ने इतिहास रचते हुए वर्ल्ड कप का पहला पॉइंट हासिल किया। कंसास सिटी में खेले गए मैच में उसने इक्वाडोर को 0-0 से ड्रॉ पर रोक दिया। इस मुकाबले के हीरो 37 साल के गोलकीपर एलॉय रूम रहे, जिन्होंने 15 शानदार सेव कर टीम को हार से बचाया।

रूम ने किया कमाल

जर्मनी के खिलाफ पिछले मैच में 7-1 की हार झेलने वाले एलॉय रूम ने इस बार शानदार वापसी की। उन्होंने पूरे मैच में 15 शॉट रोके, जो वर्ल्ड कप इतिहास में एक मैच में संयुक्त रूप से दूसरे सबसे ज्यादा सेव हैं। रिकॉर्ड 16 सेव का रिकॉर्ड अमेरिका के टिम हावर्ड के नाम है, जिन्होंने 2014 वर्ल्ड कप में बेल्जियम के खिलाफ यह कारनामा किया था।

इक्वाडोर के हमले बेअसर

मैच की शुरुआत से ही इक्वाडोर ने दबाव बनाया और एनर वैलेंसिया, मोइसेस कैसेडो तथा अन्य खिलाड़ियों ने कई मौके बनाए, लेकिन रूम के सामने कोई भी गोल नहीं कर सका। इक्वाडोर ने पूरे मैच में 27 शॉट लगाए, फिर भी गोल का खाता नहीं खोल पाया। कुरासाओ को भी कुछ मौके मिले, लेकिन वह उनका फायदा नहीं उठा सका। नतीजतन मुकाबला गोलरहित ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

कैनसस सिटी स्टेडियम में इक्वाडोर के खिलाफ़ फीफा वर्ल्ड कप ग्रुप ई मैच के दौरान कुराकाओ के गोलकीपर एलॉय रूम ने एक बचाव किया।

एकतरफा मुकाबले में नीदरलैंड ने स्वीडन को 5-1 से हराया

ह्यूस्टन। ग्रुप-एफ के मुकाबले में नीदरलैंड ने दमदार प्रदर्शन करते हुए स्वीडन को 5-1 से करारी शिकस्त दी। ह्यूस्टन स्टेडियम में खेले गए टूर्नामेंट के 35वें मुकाबले में नीदरलैंड ने शुरुआत से ही मैच पर पकड़ बनाई और स्वीडन को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। ब्रायन ब्रॉबी और कॉडी गैक्पो ने दो-दो गोल दागे, जबकि क्राइसेंसियो समरविले ने एक गोल कर जीत को और शानदार बना दिया। नीदरलैंड ने मैच के शुरुआती मिनटों से ही आक्रामक तेवर दिखाए। इसका फायदा टीम को पांचवें मिनट में मिला, जब ब्रायन ब्रॉबी ने बेहतरीन फिनिश के साथ गोल दागकर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। शुरुआती गोल के बाद स्वीडन दबाव में आ गया और नीदरलैंड लगातार हमले करता रहा।

पहले हाफ में ही बना ली मजबूत बढ़त

नीदरलैंड के हमले यहीं नहीं रुके। 17वें मिनट में ब्रॉबी ने एक बार फिर कमाल दिखाया और अपना दूसरा गोल दागकर स्कोर 2-0 कर दिया। दो गोल से पिछड़ने के बाद स्वीडन ने कुछ हमले जरूर किए, लेकिन नीदरलैंड की मजबूत रक्षापंक्ति के सामने उसे सफलता नहीं मिली। पहले हाफ की समाप्ति तक नीदरलैंड 2-0 से आगे था। दूसरे हाफ की शुरुआत भी नीदरलैंड के नाम रही। 47वें मिनट में कॉडी गैक्पो ने गोल कर टीम की बढ़त 3-0 कर दी। इसके बाद 54वें मिनट में गैक्पो ने अपना दूसरा गोल दागते हुए स्कोर 4-0 कर दिया। लगातार हमलों के सामने स्वीडन की टीम पूरी तरह संघर्ष करती नजर आई।

फीफा विश्व कप 2026 | मैच 44

ग्रुप जे | 23 जून | प्रातः 8:30 बजे (भारतीय समय)

जॉर्डन बनाम अल्जीरिया

सैन फ्रांसिस्को बे एरिया स्टेडियम, अमेरिका

68 ◂ फीफा रैंक ▸ 31

कुल आमने-सामने

जॉर्डन जीताः 0 | अल्जीरिया जीताः 0 | ड्रॉः 1

फीफा विश्व कप 2026 | मैच 42

ग्रुप आई | 23 जून | 02:30 बजे (भारतीय समय)

फ्रांस बनाम इराक

फिलाडेल्फिया स्टेडियम, अमेरिका

2 ◂ फीफा रैंक ▸ 60

कुल आमने-सामने

एक दूसरे के खिलाफ पहले कभी नहीं खेलें

जापान ने ट्यूनीशिया को 4-0 से रौंद कर किया बाहर

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप-एफ मैच में जापान ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए ट्यूनीशिया को एकतरफा 4-0 से हरा कर टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखा दिया. वर्ल्ड कप के इतिहास में यह पहला मौका है, जब जापान ने एक मैच में चार गोल किए हैं. इस जीत के साथ ही जापान ने नॉकआउट स्टेज में पहुंचने की अपनी दावेदारा को पुख्ता कर लिया है. फीफा वर्ल्ड कप में एएफसी (एशियाई फुटबॉल परिसंघ) की टीमों के बीच खेले गए पिछले 151 मैचों में किसी भी टीम ने एक मुकाबले में चार गोल नहीं किए थे. जापान ने यह रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है और वह ऐसा करने वाला पहला एएफसी देश बन गया है।

जापान की विश्वकप इतिहास में सबसे बड़ी जीत

सिर्फ इतना ही नहीं, बल्कि जापान की यह जीत वर्ल्ड कप इतिहास में किसी भी एएफसी टीम की सबसे बड़ी जीत भी है। जापान की बड़ी जीत की शुरुआत अयासे उएदा ने की. उन्होंने ऊंची छलांग लगाते हुए ट्यूनीशिया के डिफेंडरों के ऊपर से बेहतरीन हेडर लगाया और गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचाते हुए जापान को 1-0 की बढ़त दिलाई. इस मुकाबले में उएदा ने दो गोल किए और इसके साथ ही वह फीफा वर्ल्ड कप के एक ही मैच में दो गोल करने वाले पहले जापानी खिलाड़ी बने. वहीं, फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास के 1000वें मैच में कीटो नाकामुरा ने भी अपना नाम दर्ज कराया. वह पेनल्टी बॉक्स में तेजी से पहुंचे और सही जगह पर मौजूद रहे. इसके बाद दाइची कामदा को कई खिलाड़ियों के बीच से सटीक पास दिया, जिसे कामदा ने गोल में बदलकर जापान की बढ़त को 2-0 कर दियाकामदा का चौथे मिनट में किया गया गोल फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में किसी भी जापानी खिलाड़ी द्वारा किया गया सबसे तेज गोल है. इससे पहले, यह रिकॉर्ड शिंजी कागावा के नाम था, जिन्होंने साल 2018 में कोलंबिया के खिलाफ मैच के छठे मिनट में गोल दागा था. उएदा ने मैच के 31वें मिनट में जापान के लिए दूसरा गोल दागा।

मौजूदा फुटबॉल विश्व कप में गोल की बौछार

1958 के बाद सबसे तेजी से पूरा हुआ 100 गोल का आंकड़ा

फीफा विश्व कप 2026 का खुमार पूरी दुनिया पर छा चुका है। मौजूदा टूर्नामेंट में ग्रुप चरण के करीब आधे मैच हो चुके हैं और धीरे-धीरे नॉकआउट की तस्वीर साफ हो रही है। मौजूदा फुटबॉल विश्व कप इतिहास के पन्नों में भी अपना नाम दर्ज करा रहा है। इस टूर्नामेंट में गोलों की ऐसी बरसात हो रही है कि इसने पिछले 68 वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। 2026 का यह विश्व कप साल 1958 के बाद से सबसे तेजी से 100 गोल के आंकड़े तक पहुंचने वाला टूर्नामेंट बन गया है। इस ऐतिहासिक मुकाम को टूर्नामेंट के महज 33वें मैच में ही हासिल कर लिया गया। फीफा विश्व कप के 33वें मैच में नीदरलैंड का सामना स्वीडन से हुआ। इस मैच में नीदरलैंड ने स्वीडन को 5-1 से शिकस्त दी। इस मैच में नीदरलैंड की ओर से तीसरा गोल करते ही लिवरपूल के फॉरवर्ड खिलाड़ी कॉडी गैक्पो ने इतिहास रच दिया। उनका यह गोल इस टूर्नामेंट का 100वां गोल (शतक) साबित हुआ।

कब कितने मैचों में हुए 100 गोल?

- फुटबॉल विश्व कप के इतिहास पर नजर डालें तो सिर्फ 1954 (स्विट्जरलैंड विश्व कप) का टूर्नामेंट इससे भी तेज रहा था, जहां केवल 20 मैचों में ही 100 गोल पूरे हो गए थे।
- उस टूर्नामेंट को पश्चिम जर्मनी ने जीता था।
- 2014 (ब्राजील) और 1982 में 100 गोल तक पहुंचने में 36 मैच लगे थे।
- 1978 (अर्जेंटीना) और 1994 (अमेरिका) में हुए विश्व कप में 100 गोल पूरा होने के लिए 38 मैच खेलने पड़े थे।

फीफा विश्व कप में सबसे कम मैचों में 100 गोल

वर्ष	मैच
1954	19-20*
2026	33
1958	32-33*
2014	35-36*
1982	36
1978	38
1994	38

फीफा विश्व कप 2026 | मैच 41

ग्रुप आई | 23 जून | प्रातः 5:30 बजे (भारतीय समय)

नॉर्वे बनाम सेनेगल

न्यूयॉर्क / न्यू जर्सी स्टेडियम, अमेरिका

26 ◂ फीफा रैंक ▸ 16

कुल आमने-सामने

नॉर्वे जीताः 0 | सेनेगल जीताः 1

KBK Sports Graphics

फीफा विश्व कप 2026 | मैच 47

ग्रुप के | 23 जून | रात्रि 10:30 बजे (भारतीय समय)

पुर्तगाल बनाम उज़्बेकिस्तान

ह्यूस्टन स्टेडियम, अमेरिका

7 ◂ फीफा रैंक ▸ 55

कुल आमने-सामने

एक दूसरे के खिलाफ पहले कभी नहीं खेलें

KBK Sports Graphics

इंग्लैंड दौरे पर गिल होंगे वनडे कप्तान, श्रेयस उपकप्तान

शतक बनाने वाले जायसवाल टीम से बाहर, रोहित-विराट शामिल

एजेंसी, नई दिल्ली

बीसीसीआई ने रविवार को इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय वनडे टीम का ऐलान कर दिया। शुभमन गिल कप्तान बनाए गए हैं। श्रेयस अय्यर को उपकप्तानी दी गई है। विराट कोहली और रोहित शर्मा भी स्क्वॉड का हिस्सा हैं। इंग्लैंड के खिलाफ इस सीरीज को 2027 वनडे वर्ल्ड कप की तैयारियों के लिए अहम माना जा रहा है। दौरे पर पांच टी-20 और तीन वनडे मैच होंगे। टी-20 टीम का ऐलान पहले ही हो चुका है। श्रेयस अय्यर टी-20 टीम के कप्तान हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे वनडे में शतक लगाने वाले यशस्वी जायसवाल को टीम में जगह

नहीं मिली है। यशस्वी को चोटिल विराट कोहली की जगह अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे टीम में चुना गया था।

वरुण चक्रवर्ती आयरलैंड टी-20 सीरीज से बाहर: वरुण चक्रवर्ती चोट के कारण आयरलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज नहीं खेल पाएंगे। उन्हें आयरलैंड और इंग्लैंड दोनों सीरीज के लिए टीम में चुना गया था, लेकिन फिलहाल वह बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब कर रहे हैं। इंग्लैंड के खिलाफ उनकी उपलब्धता उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगी। बीसीसीआई के अनुसार, उनकी वापसी पर अंतिम फैसला मेडिकल टीम की सलाह के बाद लिया जाएगा।

आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टी-20 टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह और प्रिंस यादव।

महिला टी-20 विश्व कप

बांग्लादेश से हारकर पाकिस्तान बाहर

इंग्लैंड ने हेडिंग्ले में स्कॉटलैंड को और ऑस्ट्रेलिया ने नीदरलैंड्स को हराया

एजेंसी, साउथैम्प्टन

महिला टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में शनिवार को तीन मुकाबले खेले गए। दिन के सबसे बड़े उलटफेर में बांग्लादेश ने पाकिस्तान को 23 रन से हराकर टूर्नामेंट से लगभग बाहर कर दिया। लगातार तीसरी हार के साथ पाकिस्तान की टीम अपने दो ग्रुप मैच बाकी रहते ही नॉकआउट की दौड़ से बाहर हो गई।

साउथैम्प्टन के रोज बाउल में खेले गए मुकाबले में बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 123 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम 8 विकेट पर 100 रन ही बना सकी। बांग्लादेश की तीन मैचों में यह दूसरी जीत रही, जबकि पाकिस्तान को लगातार तीसरी हार झेलनी पड़ी।

दिन के तीसरे मुकाबले में इंग्लैंड ने हेडिंग्ले में स्कॉटलैंड को 38 रन से हराया। इंग्लैंड ने 5 विकेट पर 200 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया, जिसमें सोफिया डंकली ने 57 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। जवाब में स्कॉटलैंड की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 162 रन ही बना सकी।

दिन के पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया ने नीदरलैंड को 98 रन से हराया। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलियाई टीम ने टूर्नामेंट में अपना मजबूत प्रदर्शन जारी रखा।

इंग्लैंड को रौंदकर न्यूजीलैंड ने रचा इतिहास

32 साल पुराना रिकॉर्ड ध्वस्त मैट हेनरी ने झटके 11 विकेट

एजेंसी, ओवल

न्यूजीलैंड के स्टार तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने रविवार, 21 जून 2026 को लंदन के द ओवल मैदान पर गेंदबाजी का वो कहर ढाया, जिसने टेस्ट क्रिकेट के इतिहास को बदलकर रख दिया। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में मैट हेनरी ने दोनों पारियों में मिलाकर 119 रन देकर 11 विकेट चटकाए। हेनरी की इस कातिलाना गेंदबाजी के दम पर न्यूजीलैंड ने पांचवें दिन महज 48 मिनट के भीतर इंग्लैंड की दूसरी पारी को 209 रनों पर समेट कर एक विशाल और ऐतिहासिक जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही तीन मैचों की टेस्ट सीरीज अब 1-1 की बराबरी पर आ गई है।

ओवल के मैदान पर शेन वॉर्न के बाद कारनामा करने वाले पहले गेंदबाजः मैट हेनरी ने इस मैच में वो कारनामा कर दिखाया है जो पिछले दो दशकों में कोई गेंदबाज द ओवल के ऐतिहासिक मैदान पर नहीं कर सका था। हेनरी साल 2005 की ऐतिहासिक एशेज सीरीज में शेन वॉर्न के बाद द ओवल में मैच में 10 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बन गए हैं। इसके अलावा, वह साल 1994 में डेवोन मैल्कम के बाद इस मैदान पर 10 विकेट हॉल लेने वाले पहले तेज गेंदबाज भी बने हैं।

मैच की बात करें तो न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 391 रन बनाए थे, जिसके जवाब में इंग्लैंड की टीम हेनरी के पंचे (5/80) के कारण 291 रनों पर सिमट गई थी। दूसरी पारी में न्यूजीलैंड ने जो रूट की अगुवाई वाली इंग्लैंड की टीम के सामने 463 रनों का पहाड़ जैसा लक्ष्य रखा था। मैच के पांचवें और आखिरी दिन इंग्लैंड ने 182/5 से आगे खेलना शुरू किया।

नहाने गए 9 साल के बच्चे की डैम में डूबने से हुई मौत

भोपाल (नगर संवाददाता)

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित विरहा श्यामखेड़ी डैम में डूबने से 9 साल के बच्चे की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक ग्राम पिपलिया हस्नाबाद, बैरसिया निवासी अहद खान पुत्र अनीस खान (9) मदरसे में पढ़ाई करता था। अनीस खान ने पुलिस को बताया कि अहद शनिवार दोपहर बिना बताए घर से चला गया। काफी देर बाद भी जब वह नहीं लौटा तो उसकी खोजबीन शुरू की गई। स्थानीय मस्जिद में अहद की गुमशुदगी का अनाउंसमेंट भी कराया गया । गांव के लोगों से पता चला कि अहद को विरहा श्यामखेड़ी डैम की ओर जाते देखा गया था। परिजन डैम पहुंचे। डैम के बाहर अहद के कपड़े और जूते रखे मिले। अनहोनी की आशंका के चलते परिजनों व गांव के लोगों ने डैम में तलाश की। रात करीब आठ बजे ग्रामीणों ने अहद का शव डैम से बाहर निकाला।

गांव के तीन-चार बच्चों के साथ नहाने गया था

1 लाख 31 हजार स्ट्रीट वेंडर्स को मिला 215 करोड़ का लोन

भोपाल (नगर संवाददाता)

प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स योजना के तहत भोपाल में नगर निगम ने 1 लाख 31 हजार स्ट्रीट वेंडर्स को 215 करोड़ का लोन बैंकों से प्राप्त हुए हैं। वहीं निगम ने एक जून से विशेष अभियान शुरू किया है, जो 30 जून तक चलेगा। इसमें नए रजिस्ट्रेशन चल रहे हैं।

प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि योजना (पीएम स्वनिधि) के आए नया बजट से नगर निगम ने नए स्ट्रीट वेंडर्स के रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिए हैं। एनयूएलएम अधिकारियों के मुताबिक नए स्ट्रीट वेंडर्स के रजिस्ट्रेशन के अलावा दूसरे चरण का लोन चुकाकर तीसरे चरण के लोन के लिए नए क्रेडिट कार्ड के आवेदन लिए जा रहे हैं। निगम की अपर आयुक्त अंजू अरुण कुमार इस पूरे अभियान की स्वयं मॉनीटरिंग कर रही हैं। दरअसल लॉकडाउन में शुरू हुई स्ट्रीट वेंडर योजना में पहले 10 हजार रु.बिना ब्याज के मिलते थे। इसे जमा करने पर 20 और 20 जमा करने पर 50 हजार रु.तक पहले चरण में मिले। दूसरे चरण में क्रेडिट कार्ड स्कीम भी लागू हो गई है।

फिर दौड़ेंगी स्मार्ट साइकिलें,500 पब्लिक बाइसिकिल से शुरुआत करने की तैयारी

भोपाल (नगर संवाददाता)

शहर में एक बार फिर स्मार्ट पब्लिक बाइसिकिल शुरू होने जा रही है। भोपाल स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड ने 500 साइकिलों से इसकी शुरुआत करने का खाका तैयार किया है। सबकुछ ठीक रहा तो अगले दो महीनों यह साइकिल शहर की सड़कों पर नजर आने लगेंगी।

गौरतलब है कि होशंगाबाद रोड सहित पॉलीटेक्निक चौराहा पर स्मार्ट सिटी कंपनी ने लगभग 500 करोड़ रुपए खर्च कर साइकिल ट्रैक बनाया था। इसके बाद बोट क्लब समेत, न्यू मार्केट, लिंक रोड नंबर 1, एमपी नगर, होशंगाबाद रोड आदि इलाकों में साइकिल स्टैंड बनाकर साइकिल उपलब्ध करवाई गईं। लेकिन धीरे-धीरे यह प्रोजेक्ट फ्लॉप हो गया। अब दोबारा इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू हुआ है। इनमें सिटी बस स्टॉपए, मौजूदा और प्रस्तावित मेट्रो स्टेशन, कॉलेज, बड़े अस्पताल, पर्यटन स्थल, मार्केट और रिहायशी कॉलोनियों के एंट्री पॉइंट पर सायलक उपलब्ध करवाई जाएंगी।

पुराने तरीके से ही होगा रजिस्ट्रेशन

नई साइकिलों के लिए मेंबरशिप सुविधा होगी। एप्प के माध्यम से कोई भी व्यक्ति साइकिल किराय पर ले सकेगा। वहीं साइकिलों में जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम और स्मार्ट लॉक होंगे। यूजर्स मोबाइल एप के जरिए क्यूआर कोड, एनएफसी या ब्लूटूथ से साइकिल अनलॉक कर सकेंगे। भुगतान के लिए यूपीआई समेत अन्य डिजिटल पेमेंट की सुविधा होगी।

महिला मोर्चा ने पर्यावरण और स्वस्थ जीवन पर किया संवाद

भोपाल (नगर संवाददाता) भाजपा महिला मोर्चा की ओर से दक्षिण-पश्चिम विस क्षेत्र के तात्या टोपे मंडल में पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा बचत और स्वस्थ जीवनशैली को लेकर संवाद कार्यक्रम किया। यहां विधायक भगवानदास सबनानी ने महिलाओं से पीएम मोदी के जागरूकता अभियानों को लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया। भारत माता चौराहे के समीप दद्दू के मंदिर परिसर कार्यक्रम में एक पेड़ मां के नाम और खाद्य तेल के सीमित उपयोग जैसे विषयों पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में महिला मोर्चा की पदाधिकारी अंजू सिंह, नमिता देशवाली, साधना यादव, सीमा सक्सेना, पूजा भारद्वाज, नीतू सिंह राजपूत, सुषमा कुलश्रेष्ठ, सुकांति ठकुरिया,आरती बोराना समेत कई कार्यकर्ताओं ने महिलाओं को अभियानों से जुड़ने प्रेरित किया।

सौरभ शर्मा प्रकरण : डेढ़ साल में आरोप पत्र तक पेश नहीं कर सकी लोकायुक्त

- **परिवहन आरक्षक सौरभ शर्मा का ईडी प्रकरण में संवेदनाओं के आधार पर जमानत का प्रयास**

भोपाल (नगर संवाददाता)

सौ करोड़ से अधिक की संपत्ति के मालिक परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा के भोपाल स्थित ठिकानों पर लोकायुक्त के छापों को डेढ़ साल से ज्यादा समय हो चुका है। प्रकरण में महीने भर बाद संज्ञान लेने वाले प्रवर्तन निदेशालय ने तीन महीने में चालान पेश कर दिया था। लेकिन नकदी, सोना-चांदी सहित कई संपत्तियों के दस्तावेज जब्त करने वाली भोपाल लोकायुक्त की टीम इस मामले में अब तक न्यायालय में आरोप पत्र पेश नहीं कर सकी है।

लोकायुक्त प्रकरण में जमानत, ईडी में नहीं –सौरभ के ठिकानों पर लोकायुक्त की कार्रवाई को डेढ़ साल पूरे हो चुके हैं। लोकायुक्त टीम अब तक न्यायालय में आरोप पत्र पेश नहीं कर सकी है। जबकि महीनेभर बाद कार्रवाई करने वाली प्रवर्तन निदेशालय की टीम 8 अप्रैल 2025 को न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल कर चुकी है। खास बात यह है कि लोकायुक्त प्रकरण में तीनों ही आरोपी सौरभ, चेतन और शरद को आरोप पत्र में देरी के चलते भोपाल जिला न्यायालय से जमानत मिल चुकी है। लेकिन प्रवर्तन निदेशालय प्रकरण में तीनों आरोपियों की जमानत उच्च न्यायालय से भी निरस्त हो चुकी है। हालांकि परिजनों और कंपनियों को भोपाल जिला न्यायालय ने 50-50 लाख के मुचलके पर जमानत दे दी है।

ईडी की प्राथमिकी में परिजन-रिश्तेदार भी आरोपी

लोकायुक्त की कार्रवाई शुरू से ही संदेह के घेरे में रही। जिन ठिकानों पर लोकायुक्त की टीमें कार्रवाई कर रही थीं। उन्हीं ठिकानों से करोड़ों रुपये नकदी और सोना निकल जाने पर कार्रवाई पर सवाल खड़े हुए। दो दिन की कार्रवाई के बाद भी लोकायुक्त टीम आरोपी सौरभ और चेतन के ठिकानों से मिलीं अचल संपत्तियों की संख्या तक छुपाए रही। खास बात यह है कि लोकायुक्त टीम ने इस प्रकरण में केवल सौरभ, उसके दोस्त चेतन गौर और शरद जायसवाल को ही आरोपी बनाकर गिरफ्तार किया था। जबकि प्रवर्तन निदेशालय ने प्रकरण में सौरभ की माँ श्रीमती उमा शर्मा, पत्नी दिव्या तिवारी और मौसेरे जीजा विनय हासवानी सहित सौरभ व परिजनों से जुड़ी कंपनी व पदाधिकारियों को भी आरोपी बनाया।

90 फीसदी ई-उपस्थिति और जनगणना ड्यूटी से जुड़े प्रावधान हटाने की मांग

भोपाल। मध्य प्रदेश स्कूल शिक्षक संघ ने राज्य सरकार की तबादला नीति में संशोधन की मांग करते हुए मुख्यमंत्री ज्ञापन सौंपा है। संघ ने स्वैच्छिक तबादले के लिए 90 प्रतिशत अनिवार्य ई-उपस्थिति की शर्त समाप्त करने और जनगणना कार्य में लगे शिक्षकों को तबादले से वंचित करने वाले प्रावधान को हटाने की मांग की है।

संघ के अनुसार वर्तमान तबादला नीति में शामिल इन दोनों शर्तों के कारण बड़ी संख्या में शिक्षक तबादले के लिए आवेदन नहीं कर पा रहे हैं। खासतौर पर 90 प्रतिशत ई-अटेंडेंस की अनिवार्यता कई शिक्षकों के लिए बाधा बन रही है। मध्य प्रदेश स्कूल शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश यादव ने मुख्यमंत्री से इन दोनों मुद्दों पर तत्काल निर्णय लेने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण शासकीय कार्य में लगे शिक्षकों को तबादले की प्रक्रिया से बाहर रखना उचित नहीं है।

तीन दिन एयरपोर्ट पर थमेंगे टैक्सी के पहिए, यात्रियों की बढ़ेगी मुश्किलें

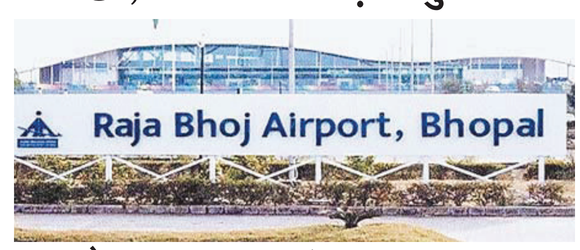

- **23 से 25 जून तक एग्रीगेटर कंपनियों के खिलाफ हड़ताल**
- **ऑनलाइन बुकिंग भी नहीं करेंगे चालक**

भोपाल (नगर संवाददाता)

राजधानी में 23 से 25 जून के बीच हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों को एयरपोर्ट आने-जाने के लिए अतिरिक्त तैयारी करनी होगी। एग्रीगेटर कंपनियों की नीतियों के विरोध में टैक्सी चालक तीन दिवसीय हड़ताल पर रहेंगे। इस दौरान वे किसी भी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की बुकिंग स्वीकार नहीं करेंगे, जिससे भोपाल एयरपोर्ट पर टैक्सी सेवाएं प्रभावित रहेंगी और यात्रियों को वैकल्पिक परिवहन का सहारा लेना पड़ सकता है।

टैक्सी चालक संघ के महामंत्री राजेशकुमार नागले ने बताया कि इससे पहले 7 फरवरी और 12 जून को बोर्ड ऑफिस चौराहे पर सांकेतिक धरना देकर शासन-प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया था, लेकिन मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसके विरोध में अब तीन दिवसीय आंदोलन का निर्णय लिया गया है। आरोप है कि एग्रीगेटर कंपनियां राज्य सरकार द्वारा निर्धारित किराया लागू नहीं कर रही हैं और ड्राइवरों को तय दर से कम भुगतान किया जा रहा है। उनका कहना है कि किराया बढ़ाना और सरकारी दरों को लागू करना ही समस्या का स्थायी समाधान है।

राजकुमार बरुआ 'संवाद भारती सम्मान' से किए गए सम्मानित

भोपाल। लघुकथा दिवस के अवसर पर लघुकथा शोध केंद्र समिति, भोपाल द्वारा हिंदी भवन में 'अखिल भारतीय लघुकथा अधिवेशन एवं शोध गोष्ठी' का भव्य आयोजन किया गया। इस विशेष समारोह में देश भर के साहित्यकारों और बुद्धिजीवियों ने सहभागिता की। इस अवसर पर पत्रकारिता और साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले शहर के लेखक एवं स्वतंत्र पत्रकार राजकुमार बरुआ को उनके हिंदी भाषा और साहित्य की सेवा में महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रतिष्ठित 'संवाद भारती सम्मान 2026' से विभूषित किया गया।

एक दिन में 280 मरीजों की जांच में मिले 60 मोतियाबिंद के रोगी

भोपाल। एक दिवसीय निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर में 280 लोगों की जांच के दौरान 60 मरीजों में मोतियाबिंद की पहचान होने से आंखों की बीमारियों को लेकर चिंता बढ़ गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि समय पर जांच नहीं होने से बड़ी संख्या में लोग दृष्टि संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं।सेवा सदन नेत्र अस्पताल और भोपाल उत्सव मेला समिति द्वारा आयोजित शिविर में जांच के बाद

मनमौजी मौसम | हैरान-परेशान मध्यप्रदेश

मौसम की नई चाल, 25 जून तक पूर्वी प्रदेश में भीषण लू के आसार

कई जगहों पर आंधी-पानी की आशंका, 60 किमी प्रति घंटे की गति से चल सकती है हवाएं

भोपाल (नगर संवाददाता)

जून माह में अब तक मध्यप्रदेश का मौसम मनमौजी सा रहा है। हालिया दिनों में कई दिनों तक आंधी-पानी की स्थिति भी देखी गई। कुछ जगहों पर तेज बारिश भी हुई। कुछ दिन तेज ऊमस भरी धूप भी निकली। कभी-कभी तो सिर्फ बादल भी इधर-उधर दौड़ते-भागते और गरजते दिखाई दिए। कुछ जगहों पर वज्रपात भी हुआ। अब मौसम फिर करवट लेने जा रहा है। रविवार को अचानक भारत मौसम विज्ञान विभाग (आइएमडी) का नया पूर्वानुमान आया है कि अगले पांच दिन पूर्वी मध्यप्रदेश में लू चलने के आसार हैं।

आइएमडी का पूर्वानुमान है कि 22 से 27 जून तक पश्चिमी मध्य प्रदेश में और 22 से 26 जून के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं आंधी-पानी होने की संभावना है। इस दौरान झोंको के साथ 60 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवा चलने के आसार हैं। इस दौरान वज्रपात की भी आशंका है।

विशेष फैक्ट 22 से 25 जून के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।

शनिवार-रविवार के बीच दर्ज किए गए बारिश के आंकड़े

उज्जैन	84.6
श्योपुर	39
बैरसिया	36.8
भोपाल	33.4
धार	13.5

बारिश मिलीमीटर में

सिर्फ तीन जिलों में दिन का तापमान सामान्य से कम

फिलहाल मध्यप्रदेश में 55 में से केवल तीन जिलों में दिन का तापमान सामान्य से कम चल रहा है। शेष सभी जगहों पर पारा सामान्य से काफी अधिक है। ऐसे हालात बने रहने के आसार हैं। आइएमडी भोपाल के अनुसार मध्यप्रदेश में बालाघाट के मलाजखंड में दिन का तापमान सामान्य से आठ डिग्री से अधिक चल रहा है। इसी तरह छिंदवाड़ा में भी जबरदस्त लू है। यहां का उच्चतम तापमान सामान्य से सात डिग्री सेल्सियस अधिक है। इसी तरह मंडला और बैतूल में उच्चतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री, नर्सिंगपुर में चार डिग्री, जबलपुर में तीन डिग्री और रतलाम और खंडवा सामान्य से चार-पांच डिग्री अधिक चल रहा है। मध्यप्रदेश के हिल स्टेशन कहे जाने वाले पंचमढ़ी में पिछले कई दिनों से उच्चतम तापमान तीन से पांच डिग्री अधिक के बीच चल रहा है। रविवार को यहां सामान्य से 3.7 डिग्री अधिक रहा।

यहां अधिकतम पचास किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवा चलने के आसार

भोपाल, विदिशा, रायसेन,सिहोर, राजगढ़, नमदापुरम, बैतूल, हरदा, खंडवा, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, देवास, शाजापुर, गुना, अशोकनगर,शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुरकलां, जबलपुर, नरिसंहपुर,छिंदवाड़ा, सिवनी, पन्ना, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़,निवाड़ी और पांढुर्णा

मानसून के आसार

मौसम विभाग के अनुसार, 23 जून 2026 के आसपास दक्षिण–पश्चिम मानसून के महाराष्ट्र, तेलंगाना, ओडिशा, झारखंड और बिहार के कुछ और हिस्सों के साथ–साथ छत्तीसगढ़ के कुछ क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं। मध्यप्रदेश को लेकर मानसून आने की संभावना को लेकर अभी तक कोई पूर्वानुमान नहीं है।

सीएनजी एवं एलपीजी वाहनों की भी अब प्रदूषण जांच होगी

पेट्रोल वाहनों के प्रदूषण लाइसेंस पर ही हो सकेगी जांच

भोपाल (नगर संवाददाता)

प्रदेश में अब पेट्रोल और डीजल वाहनों के साथ-साथ सीएनजी (कंप्रेस्ड नेचुरल गैस) एवं एलपीजी (लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस) से संचालित वाहनों की भी नियमित प्रदूषण जांच की जा सकेगी। राज्य सरकार के परिवहन विभाग ने इसके लिए प्रदूषण जांच केंद्रों से संबंधित नियमों में संशोधन कर आवश्यक प्रावधान लागू कर दिए हैं।

नए नियमों के अनुसार प्रदूषण जांच एजेंसियों को पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और एलपीजी वाहनों की जांच करने निर्धारित प्रक्रिया के तहत लाइसेंस प्राप्त करना होगा। लाइसेंस का आवेदन करने पर एक हजार रुपए आवेदन शुल्क और प्राधिकार पत्र प्राप्त करने के लिए दस हजार रु.शुल्क जमा करना होगा।

परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि पेट्रोल वाहनों की प्रदूषण जांच के लिए जारी लायसेंस के आधार पर सीएनजी और एलपीजी वाहनों की भी प्रदूषण जांच की जा सकेगी। वहीं, डीजल वाहनों की जांच के लिए अलग व्यवस्था और शुल्क लागू रहेगा। इससे प्रदूषण जांच केंद्रों को अतिरिक्त सुविधा मिलेगी और सीएनजी एवं किलोमीटर का निर्धारित कार्यक्षेत्र आवंटित किया जाएगा। इससे जांच केंद्रों की निगरानी और संचालन में पारदर्शिता बढ़ेगी और अनियमितताओं पर नियंत्रण रखने में मदद मिलेगी। लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया को भी सरल बनाया गया है। अब प्रदूषण जांच केंद्र का लाइसेंस संभागीय परिवहन उपायुक्त की बजाय संबंधित जिले के क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ), सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) अथवा जिला परिवहन अधिकारी द्वारा जारी किया जा सकेगा। इससे आवेदकों को स्थानीय स्तर पर ही अनुमति प्राप्त करने की सुविधा मिलेगी और प्रक्रिया में समय की बचत होगी। प्रदूषण जांच केंद्र स्थापित करने के इच्छुक आवेदकों को आवेदन के साथ पैन कार्ड, जीएसटी नंबर, चलित प्रदूषण जांच वाहन तथा उसमें स्थापित उपकरणों से संबंधित

मितव्ययिता अभियान के तहत यात्रा, ऊर्जा और संसाधनों के उपयोग पर नए निर्देश जारी

खर्च पर सरकार की सख्ती: दिल्ली दौरे से पहले लेनी होगी अनुमति

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश सरकार ने सरकारी खर्च में कटौती और संसाधनों के बेहतर उपयोग के लिए नई मितव्ययिता गाइडलाइन जारी की है। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने सभी विभागों, विभागाध्यक्षों, संभागायुक्तों और कलेक्टरों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि अब आईएएस, आईपीएस और सचिव स्तर के अन्य अधिकारियों को सरकारी खर्च पर दिल्ली, गुजरात, अन्य राज्यों या विदेश यात्रा से पहले मुख्य सचिव की अनुमति लेना अनिवार्य होगा। अन्य अधिकारियों को प्रदेश से बाहर शासकीय यात्रा के लिए अपने विभागीय सचिव की मंजूरी लेनी होगी।

सरकार ने निर्देश दिए हैं कि विभागीय बैठकें, कार्यशालाएं, प्रशिक्षण और सेमिनार अधिकतम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग व डिजिटल माध्यमों से आयोजित किए जाएं। जिन कार्यों का ऑनलाइन निष्पादन संभव है, उनके लिए अनावश्यक यात्रा से बचने को कहा गया है। साथ ही अधिकारियों और कर्मचारियों को सार्वजनिक परिवहन, बसों और इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

शाम 7 बजे के बाद बिजली बचत करें

सभी सरकारी कार्यालयों में ऊर्जा ऑडिट कराने, बिजली खपत की निगरानी रखने तथा शाम 7 बजे के बाद अनावश्यक रूप से चल रहे पंखे, लाइट, कंप्यूटर और अन्य विद्युत उपकरण बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत रूफटॉप सोलर संयंत्रों के प्रचार–प्रसार को भी बढ़ावा दिया जाएगा। कृषि विभाग को प्राकृतिक एवं जैविक खेती को प्रोत्साहित करने, जबकि निर्माण एजेंसियों को फ्लाई ऐश, प्लास्टिक वेस्ट बिटुमिन जैसी पर्यावरण–अनुकूल सामग्री के अधिक उपयोग के निर्देश दिए गए हैं। पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) नेटवर्क के विस्तार में सहयोग करने तथा उज्ज्वला योजना और सामान्य एलपीजी कनेक्शनों में डुप्लीकेट एवं अपात्र लाभार्थियों की पहचान कर कार्रवाई करने के लिए भी कहा गया है। स्वास्थ्य विभाग को खाद्य तेल के अत्यधिक उपयोग से होने वाले नुकसान को लेकर जागरूकता अभियान चलाएगा। वहीं जनसंपर्क विभाग ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा पर 90 दिवसीय जन–जागरूकता अभियान संचालित करेगा। सभी विभागों को इन निर्देशों के पालन की मासिक प्रगति रिपोर्ट सामान्य प्रशासन विभाग को भेजनी होगी।

मिलीभगत कर ठेकेदारों ने लगाए बिटुमिन के 55.60 करोड़ रुपए के फर्जी बिल

- **दो शहरों में ईडी के छापे 23.50 लाख नकदी जब्त, बैंकों में फ्रीज किए 2.93 करोड़ रुपए**

भोपाल (नगर संवाददाता)

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भोपाल टीम ने दो दिन पहले रीवा और जबलपुर में मप्र ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण से संबंधित सड़क ठेकेदारों के यहां छापे मारकर जांच शुरू की। गड़बड़ी स्पष्ट होने पर प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने जांच के दौरान मिले 23.50 लाख रुपये जब्त किए हैं। जबकि बैंकों में नकदी और और एफडी के रूप में जमा 2.93 करोड़ रुपये फ्रीज किए हैं।

प्रवर्तन निदेशालय ने यह कार्रवाई मप्र आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) द्वारा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं में दर्ज प्रकरण के आधार पर शुरू की। ईडी की जांच में पता चला कि ठेकेदारों ने मध्य प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण (आरआरडीए) की प्रोजेक्ट इम्प्लीमेंटेशन यूनिट के सरकारी कर्मचारियों/अधिकारियों के साथ मिलीभगत करके, सड़क निर्माण में डामर/बिटुमेन के काम के लिए सरकारी भुगतान धोखाधड़ी से प्राप्त किया। उन्होंने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल), हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) आदि के 55.60 करोड़ रुपये के फर्जी बिल और बनावटी इनवॉइस (बिल) जमा किए, जिससे सरकारी खजाने को उतना ही वित्तीय नुकसान हुआ। यह भी पता चला कि इन तेल कंपनियों से संबंधित बिल फर्जी थे और उन्हें जमा किया गया था।

स्वामी, मुद्रण, प्रकाशक एवं संपादक **आशीष दुबे** द्वारा सांई प्रिंटर्स, म. नं. 91, शाप नं. 3, जिन्सी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित एवं टी–2, बालाजी टावर, मधुवन बिहार कालोनी मिसरोद भोपाल से प्रकाशित। समस्त विवादों का न्यायालय भोपाल रहेगा।